सांध्य दैनिक

गुरूवार
वर्षः 19 अंक : 211
05 नवम्बर 2026
पृष्ठ : 8
मूल्य 1.00 रूपये प्रति
प्रकाशन स्थल-देहरादून
RNI NO- UTTHIN/2008/25027
वेबसाईट - www.devpath.in
E-mail: devpath2018@gmail.com

डीएवीपी एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त

देवपथ

पैनी नज़र तीखी जुबां गहरा असर

समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

देहरादून, 05 नवंबर (नि०स०)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग की विभिन्न पेंशन योजनाओं के अंतर्गत माह अक्टूबर 2026 की पेंशन धनराशि डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश के कुल 9 लाख 99 हजार 484 लाभार्थियों के खातों में 148 करोड़ 18 लाख 84 हजार 500 की धनराशि हस्तांतरित की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार समाज के कमजोर, वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से और समय पर प्राप्त हो।



मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में केंद्र एवं राज्य सरकार समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डीबीटी व्यवस्था से लाभार्थियों के खातों में सीधे धनराशि पहुंचने से पारदर्शिता बढ़ी है तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में अनावश्यक विलंब की संभावना कम हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार वृद्धजनों के सम्मान, विधवा महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा तथा दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण को विशेष प्राथमिकता दे रही है। पेंशन योजनाएं जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करने के साथ ही उन्हें सम्मानपूर्वक जीवन जीने में सहायता कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को सामाजिक सुरक्षा और सम्मान प्रदान करना भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वृद्धावस्था एवं दिव्यांगता के कारण कुछ लाभार्थियों को पेंशन संबंधी दस्तावेज तैयार कराने और अन्य औपचारिकताएं पूरी करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इस समस्या के समाधान के लिए केंद्र सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर लगभग 7 हजार लाभार्थियों को विशेष प्रावधानों के अंतर्गत आधार के अभाव में भी पेंशन का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सामाजिक सुरक्षा पेंशन की धनराशि प्रत्येक माह समय पर लाभार्थियों के खातों में पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। दीपावली से पूर्व पेंशन की धनराशि लाभार्थियों तक पहुंचाने की दिशा में भी विशेष प्रयास किए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेंशन योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बनाए रखते हुए पात्र लाभार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए।

पत्रकारों के हितों और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है राज्य सरकार : मुख्यमंत्री



देहरादून (नि०स०)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में उत्तरांचल प्रेस क्लब द्वारा आयोजित दीपावली महोत्सव में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी पत्रकारों एवं प्रेस क्लब के सदस्यों को दीपावली की अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रकाश पर्व दीपावली सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए, यही उनकी कामना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पत्रकारों के हित में दो महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में तहसील, जिला एवं राज्य स्तर पर मान्यता प्राप्त पत्रकारों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके साथ ही पत्रकार पेंशन की राशि में भी वृद्धि की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ होने के साथ ही समाज और सरकार के बीच संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है। पत्रकार न केवल आम जनता को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों की जानकारी देते हैं, बल्कि जनता की समस्याओं और अपेक्षाओं को भी सरकार तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में पत्रकारों की सक्रिय और रचनात्मक भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पत्रकारिता समाज का दर्पण है। इससे सरकार और प्रशासन को यह समझने में सहायता मिलती है कि विभिन्न योजनाओं और विकास कार्यों का धरातल पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। पत्रकारों से मिलने वाले सुझाव और फीडबैक शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने में सहायक होते हैं। उन्होंने देवर्षि नारद की संवाद परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि पत्रकार अपने दायित्वों का समर्पण और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में सूचना और संचार के माध्यमों में तेजी से बदलाव आया है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया और नई तकनीकों ने पत्रकारिता के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं पैदा की हैं। वहीं फेक न्यूज और भ्रामक सूचनाओं का प्रसार भी एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है। ऐसे में तथ्यों की पुष्टि कर सही, सटीक और निष्पक्ष जानकारी जनता तक पहुंचाने में पत्रकारों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गई है। विश्वसनीय पत्रकारिता समाज को भ्रमित होने से बचाने के साथ लोकतांत्रिक मूल्यों को भी मजबूती प्रदान करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पत्रकारों की समस्याओं और उनके हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। पत्रकारों की सुरक्षा, स्वास्थ्य बीमा, आकस्मिक सहायता और आवासीय सुविधाओं के लिए विभिन्न स्तरों पर कदम उठाए गए हैं। मान्यता प्राप्त पत्रकारों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के साथ ही वरिष्ठ पत्रकारों के सम्मान और उनके सामाजिक सुरक्षा संबंधी हितों का भी ध्यान रखा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पत्रकार पेंशन में पूर्व में भी वृद्धि की गई है। इसके अतिरिक्त पत्रकार कल्याण कोष की धनराशि 5 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि पत्रकारों को अपने दायित्वों के निर्वहन में आवश्यक सुविधाएं और सहयोग उपलब्ध हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड को जनसंचार के क्षेत्र में भी एक मजबूत पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मीडिया सेंटरों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने और प्रेस क्लबों को सशक्त बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

देहरादून ट्रैफिक अलर्ट :कल परेड ग्राउंड और पुलिस लाइन रूट पूरी तरह सील

देहरादून (नि०स०)। राजधानी देहरादून में कल यानी 6 नवंबर 2026 को होने वाली केंद्रीय गृह मंत्री की जनसभा और पुलिस लाइन में आयोजित अलंकरण परेड के कारण शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह से बदल जाएगी। पुलिस प्रशासन ने शहर में वाहनों के भारी दबाव और सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के बीच एक व्यापक ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू किया है, जिसके तहत कई प्रमुख मार्गों को 'जीरो जोन' घोषित किया गया है। आम जनता को जाम से बचाने और सुगम यातायात के लिए पुलिस ने स्कूल-कॉलेज जाने वाले लोगों और दैनिक यात्रियों से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की है। गृह मंत्री की जनसभा के मद्देनजर रोजगार तिराहे से सीजेएम तिराहा और लेंसडाऊन चौक तक का पूरा हिस्सा सभी प्रकार के वाहनों के लिए पूरी तरह 'जीरो जोन' रहेगा। इस दौरान सर्वे चौक से ओरिएंट चौक और लेंसडाऊन चौक की तरफ जाने वाले वाहनों को रोजगार तिराहा से कनक चौक की ओर डायवर्ट किया जाएगा। इसके अलावा बुद्धा चौक से क्रॉस रोड जाने वाले ट्रैफिक को एमकेपी चौक के रास्ते भेजा जाएगा, जबकि आराघर चौक से ईसी रोड जाने वाले वाहन सीएमआई चौक और सुभाष रोड होते हुए अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे। पुलिस ने साफ किया है कि आपातकालीन सेवाओं जैसे एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड के वाहनों पर यह रोक लागू नहीं होगी। बाहरी जिलों जैसे हरिद्वार, ऋषिकेश, रुड़की और सहस्त्रधारा से आने वाली बसों के लिए शहर की सीमा के भीतर अलग रूट तय किए गए हैं। हरिद्वार और ऋषिकेश की बसें रिस्पना पुल और धर्मपुर होते हुए बन्नू स्कूल ग्राउंड में पार्क की जाएंगी, जबकि रुड़की और विकासनगर की बसों के लिए गुरुद्वारा ग्राउंड और रेसकोर्स क्षेत्र में पार्किंग बनाई गई है। शहर के भीतर चलने वाले विक्रमों (ऑटो) और सिटी बसों के संचालन को भी सीमित किया गया है। विक्रम नंबर 3, 5, 8 और अन्य रूटों के विक्रमों को तय कट या चौराहों से ही वापस लौटा दिया जाएगा ताकि मुख्य बाजारों में जाम की स्थिति न बने।

पुलिस लाइन के जवान की हत्या, रेलवे पुल के पास मिला शव

देहरादून (नि०स०)। पुलिस लाइन में तैनात जवान मोहम्मद शादाब खान की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई है। उनका शव सिंघल मंडी के पास रेलवे पुल निर्माण स्थल के पास एक ठेले के नीचे बीते 17 जुलाई को बरामद हुआ था। पुलिस ने मामले में हत्या की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शहर कोतवाल केसी भट्ट ने बताया कि मृतक की बहन आशी खान ने हत्या की नामजद तहरीर दी है। कहा कि घटना बीते 17 जुलाई की शाम की है। मछली बेचने वाले सागर नाम के व्यक्ति ने परिजनों को साढ़े पांच बजे सूचना दी कि शादाब का शव राजकुमार के ठेले के नीचे पड़ा है। परिजनों के मुताबिक घटना से कुछ देर पहले ही शादाब ने एसबीआई बैंक से पांच हजार रुपये निकाले थे।

डॉ. धन सिंह रावत बने 'भारत स्काउट्स एवं गाइड्स' के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भाजपा विधि प्रकोष्ठ पौड़ी गढ़वाल ने जताई अपार खुशी!



पौड़ी श्रीनगर गढ़वाल । उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के 'भारत स्काउट्स एवं गाइड्स' के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर नॉर्दर्न रीजन से निर्विरोध निर्वाचित होने पर जिला विधि प्रकोष्ठ भाजपा, पौड़ी गढ़वाल से जुड़े अधिवक्ताओं एवं पदाधिकारियों ने अत्यंत हर्ष व्यक्त किया है। अधिवक्ताओं ने इसे संपूर्ण उत्तराखंड के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवशाली उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि पहली बार राज्य को इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संगठन में शीर्ष नेतृत्व का अवसर प्राप्त हुआ है, जिससे प्रदेश का मान राष्ट्रीय पटल पर बढ़ा है। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान 'सिल्वर एलीफेंट अवार्ड' से सम्मानित डॉ. रावत का यह निर्विरोध निर्वाचन उनके उत्कृष्ट संगठनात्मक कौशल, मजबूत नेतृत्व क्षमता और स्काउट-गाइड आंदोलन के प्रति उनके लंबे समर्पण का प्रत्यक्ष प्रमाण है। जिला संयोजक अनूप श्री पांथरी का बयान: खुशी व्यक्त करते हुए जिला विधि प्रकोष्ठ भाजपा पौड़ी गढ़वाल के संयोजक अनूप श्री पांथरी ने कहा, 'माननीय कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत जी का 'भारत स्काउट्स एवं गाइड्स' के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध चुना जाना समूचे उत्तराखंड और विशेष रूप से पौड़ी गढ़वाल के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। उनका यह दायित्व प्रदेश के युवाओं में अनुशासन, राष्ट्रसेवा और सामाजिक नेतृत्व की भावना को और अधिक सुदृढ़ करेगा। उनके कुशल मार्गदर्शन में राष्ट्रीय स्तर पर स्काउट-गाइड आंदोलन नई ऊंचाइयों को छुएगा। हम समस्त अधिवक्ता साथी उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करते हैं और उन्हें इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देते हैं।'

लोक गायक सुंदर प्रेमी को मिला उत्तराखंड गौरव रत्न सम्मान 2025



बड़कोट, उत्तरकाशी (रोबिन वर्मा)। उत्तरकाशी जनपद के बड़कोट क्षेत्र के प्रसिद्ध लोक गायक सुंदर प्रेमी को उत्तराखंड लोक संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उत्तराखंड गौरव रत्न सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान डिस्कवर उत्तराखंड 24 न्यूज़ की ओर से प्रदान किया गया। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूरी उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता डिस्कवर उत्तराखंड 24 न्यूज़ के चीफ एडिटर अम्बेश पंत ने की। सुंदर प्रेमी अपनी लोक गायकी के लिए पूरे उत्तराखंड में जाने जाते हैं। उन्होंने छोड़े कफुवा, हारुल सहित कई पारंपरिक लोक गीतों को अपनी आवाज दी है, जो रवाईं घाटी सहित पूरे उत्तरकाशी की लोक संस्कृति की पहचान बन चुके हैं। उनकी गायकी में पहाड़ की माटी, संस्कृति और लोक जीवन की झलक साफ दिखाई देती है। सम्मान मिलने पर क्षेत्र के लोगों, लोक कलाकारों और प्रशंसकों ने सुंदर प्रेमी को बधाई दी है। लोगों का कहना है कि यह सम्मान केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरी रवाईं घाटी और उत्तरकाशी की लोक संस्कृति का सम्मान है। लोक गायक सुंदर प्रेमी ने सम्मान के लिए डिस्कवर उत्तराखंड 24 न्यूज़ और सभी शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे आगे भी उत्तराखंड की लोक संस्कृति के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

देहरादून : त्योहारी खरीदारी के लिए प्रशासन ने बनाए नए पार्किंग जोन और डायवर्जन



देहरादून (नि०स०)। त्योहारी सीजन के दौरान राजधानी देहरादून में लगने वाले भारी जाम से निपटने के लिए यातायात पुलिस ने एक व्यापक और सख्त ट्रैफिक प्लान लागू कर दिया है। शहर के मुख्य बाजारों जैसे पलटन बाजार, घंटाघर और सर्वे चौक के आसपास वाहनों के दबाव को नियंत्रित करने के लिए रूट डायवर्जन के साथ-साथ नई पार्किंग व्यवस्था बनाई गई है। पुलिस ने साफ कर दिया है कि नो-पार्किंग जोन में गाड़ी खड़ी करने पर क्रेन से वाहन उठाया जाएगा और 1500 रुपये का भारी जुर्माना वसूला जाएगा। त्योहारी खरीदारी के लिए उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने पलटन बाजार, धामावाला बाजार, मच्छी बाजार और पीपल मंडी को पूरी तरह से 'जीरो जोन' घोषित कर दिया है। इन क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा और केवल पैदल यात्री ही चल सकेंगे। इसके अलावा लोडिंग वाहनों के लिए सुबह 10:00 बजे से रात 9:00 बजे तक बाजार में एंट्री पूरी तरह बंद रहेगी। व्यापारियों के वाहनों को केवल टोकन के माध्यम से ही प्रवेश दिया जाएगा। यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए शहर भर में 10 ट्रैफिक मोबाइल टीमें और पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है, जो वायरलेस सेट के जरिए लगातार निगरानी रखेगा। यातायात के दबाव को कम करने के लिए सार्वजनिक परिवहन के रूटों में भी फेरबदल किया गया है। राजपुर रोड से आने वाले नंबर-1 विक्रम अब ओरिएन्ट चौक से ग्लोब चौक, पैसिफिक तिराहा, सुभाष रोड होते हुए वापस लौटेंगे। रायपुर और रिस्पना की तरफ से आने वाले विक्रमों के भी ड्रॉप और पिक-अप पॉइंट बदल दिए गए हैं। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे निजी वाहनों के बजाय अधिक से अधिक पब्लिक ट्रांसपोर्ट या दोपहिया वाहनों का प्रयोग करें। साथ ही, सभी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और मॉल संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपनी बेसमेंट पार्किंग अनिवार्य रूप से जनता के लिए खुली रखें, अन्यथा उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वाहन चालकों की सुविधा के लिए शहर के अलग-अलग हिस्सों में अतिरिक्त पार्किंग स्थल चिन्हित किए गए हैं। सहस्त्रधारा और राजपुर रोड की ओर से आने वाले वाहन कबुल हाउस, मल्टीस्टोरिया पार्किंग कनक चौक और एमडीडीए कॉम्प्लेक्स में खड़े किए जा सकेंगे। वहीं, सहारनपुर रोड और पटेलनगर तरफ से आने वाले लोग पुराना बस अड्डा और नगर निगम परिसर का उपयोग कर सकेंगे। ट्रैफिक कंट्रोल रूम द्वारा 29 हक्कऔर अन्य आधुनिक कैमरों के जरिए नियमों का उल्लंघन करने वालों पर ऑनलाइन चालान की कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने नगर निगम श्रीनगर के विभिन्न अनुभागों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की, दिए आवश्यक निर्देश!

पौड़ी श्रीनगर गढ़वाल । जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने नगर निगम श्रीनगर के विभिन्न अनुभागों का निरीक्षण कर विभागीय कार्यों एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कर, स्थापना, लेखा, निर्माण एवं अन्य अनुभागों में संचालित कार्यों की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने पर जोर दिया। कर अनुभाग के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कर वसूली, विभिन्न देयकों और भुगतान की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि कर वसूली की प्रक्रिया नियमित रूप से संचालित की जाए तथा राजस्व वसूली के कार्यों में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लंबित देयकों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने और राजस्व संग्रहण की प्रभावी निगरानी करने को कहा। इस दौरान उन्होंने आधार सेवा केंद्र के माध्यम से नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं का निरीक्षण करते हुए कहा कि यहां अच्छी सुविधाएं दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर ऐसी सुविधाएं उपलब्ध होने से आमजन को आवश्यक सेवाओं का लाभ आसानी से मिल रहा है। साथ ही उन्होंने इसके अधिक प्रचार प्रसार के निर्देश दिए। स्थापना अनुभाग के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्मिकों से संबंधित व्यवस्थाओं एवं विभागीय कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कार्यरत एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों से संबंधित देयकों का कोई भुगतान लंबित न होने पर संतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अनुभाग के कार्यों की सराहना की। साथ ही उन्होंने कार्यालयी कार्यों को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने तथा अभिलेखों का उचित रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। लेखा अनुभाग की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने नगर निगम के आय-व्यय, विभिन्न मदों में किए जा रहे भुगतानों तथा वित्तीय कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने भुगतान संबंधी कार्यों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने पर जोर दिया।



निर्माण अनुभाग के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नगर निगम के अंतर्गत संचालित एवं प्रस्तावित निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे किए जाएं। साथ ही, निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी और गुणवत्ता की जांच सुनिश्चित करने को कहा, ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नगर निगम के उपस्थित पार्षदों से भी संवाद किया। उन्होंने पार्षदों से उनके क्षेत्रों में संचालित विकास कार्यों तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़े विषयों पर जानकारी प्राप्त की।

पैनल अधिवक्ताओं एवं एलएडीसीएस के कार्यों की मासिक समीक्षा, लंबित मामलों में प्रभावी पैरवी के निर्देश

पौड़ी श्रीनगर गढ़वाल । गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय पौड़ी में पैनल अधिवक्ताओं एवं जिला विधिक सहायता रक्षा प्रणाली (एलएडीसीएस) के अधिवक्ताओं की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नाज़िश कलीम ने की। बैठक में सचिव ने पैनल अधिवक्ताओं एवं एलएडीसीएस के अधिवक्ताओं को आवंटित वादों और लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी अधिवक्ता अपने आवंटित मामलों में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करें तथा प्रत्येक प्रकरण की नियमित सुनवाई और प्रगति पर नजर रखें। उन्होंने नियत तिथियों पर न्यायालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर पक्षकारों का पक्ष प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने तथा जमानत प्रार्थना-पत्रों एवं अन्य आवश्यक विधिक आवेदनों को समयबद्ध रूप से दाखिल करने को कहा। साथ ही अनावश्यक स्थगन से बचने और प्रत्येक माह प्रकरणों की पैरवी एवं अद्यतन स्थिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पर आपत्तिजनक टिप्पणी पर फूटा जनाक्रोश, हरक का फूंका पुतला

नंदप्रयाग / देहरादून (नि०स०)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट के खिलाफ पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणी से चमोली नंदप्रयाग की जनता में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है। इस संदर्भ में आज नंदप्रयाग में भाजपा कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में क्षेत्र की जनता ने एकजुट होकर हरक सिंह रावत का जोरदार विरोध जताया और उनका पुतला दहन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने हरक सिंह रावत द्वारा नंदप्रयाग-घाट निवासियों और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के प्रति की गई गलत बयानी एवं अभद्र भाषा



की कड़े शब्दों में भर्त्सना की। उपस्थित जनता एवं कार्यकर्ताओं ने कड़ा रुख अपनाते हुए चेतावनी दी कि यदि हरक सिंह रावत चमोली जनपद में कदम रखते हैं, तो उनका पुरजोर विरोध किया जाएगा और उन्हें जूते की माला पहनाकर स्वागत किया जाएगा। उन्होंने मांग की कि हरक सिंह रावत इस अभद्र बयानबाजी के लिए तत्काल भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री महेंद्र भट्ट एवं समस्त नंदप्रयाग वासियों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें।

भाजपा नेताओं ने कहा कि विपक्ष मुद्दों पर आधारित राजनीति करने के बजाय व्यक्तिगत हमलों और नकारात्मकता की राजनीति पर उतर आया है, जिसे उत्तराखंड की देवतुल्य जनता किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी। राजनीति में व्यक्तिगत हमलों के साथ-साथ आम जनता को लेकर भी झूठ फैलाना और अभद्र भाषा का प्रयोग करना अत्यंत निंदनीय एवं अस्वीकार्य है।

राहुल प्रियंका, देवभूमि अपमान के दोषी, उनका दौरा भाजपा के लिए लाभकारी : भट्ट



देहरादून (नि०स०)। भाजपा ने राहुल प्रियंका को देवभूमि के अपमान का दोषी बताते हुए, उनके दौरे को अपनी पार्टी के लिए लाभकारी बताया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट ने कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व के आने से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है जनता ने प्रचंड बहुमत से कमल खिलाने का मन बनाया हुआ है। वहीं उन्होंने उम्मीद जताई कि यदि पीड़ित जेनी सार्वजनिक रूप से पक्ष रखेगी तो उम्मीद है कि उत्तराखंड के ऊपर लगा हुआ यह दाग भी धुल जाएगा। वहीं हरक सिंह रावत को चेतावनी दी कि वे तथ्यों के आधार पर बयानबाजी करें अन्यथा मानहानि का दावा किया जाएगा। उन्होंने पार्टी मुख्यालय में विभिन्न मुद्दों पर पूछे गए पत्रकारों के सवालों के जवाब में यह बातें कहीं। राहुल प्रियंका के उत्तराखंड दौरे पर उन्होंने तंज कसा की कांग्रेस के पास गिनती के दो तीन नेता ही रह गए हैं यह भी आ जाएं तो भी उत्तराखंड के चुनावी परिदृश्य में कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। यह तो पहले ही देवभूमि के अपमान के दोषी हैं लिहाजा उनके आने से तो जनता के जख्म ही हरे होंगे। लिहाजा नकारात्मक राजनीति करने वाले शीर्षस्थ कांग्रेस नेताओं का उत्तराखंड आना उनकी 27 की चुनावी हार के ताबूत में एक और कील साबित होगा। जहां तक सवाल है भाजपा की तो हमने तो कार्यक्रम अपना शुरू कर दिया है। हमारी रैलियां प्रारंभ हो चुकी हैं और हमारा चुनाव प्रबंधन बहुत स्तर तक का प्रारंभ कर दिया गया है। वहीं जेनी विवाद को लेकर पूछे सवाल पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जैनी प्रकरण कांग्रेस के शासनकाल में हुआ और अगर कल इस विषय पर जैनी जी ने ही खुद कह कि वे सामने आकर अपना पक्ष रखेंगी। तो इस मुद्दे पर अब कुछ भी कहने के लिए बचता नहीं है। बहुत अच्छा है कि जैनी जी वस्तुस्थिति स्पष्ट करेंगी और उत्तराखंड देवभूमि के अंदर जो उस समय का दाग़ लगा था, उसका भी पटाक्षेप हो जाए। उन्हें स्पष्ट किया कि इसे कोई राजनीतिक विषय नहीं होना चाहिए। और जिस प्रकार से हरक सिंह ने नैतिकता आधारित बात करनी बंद कर दी है, तू-तड़ाक करके बातें कर रहे हैं इस उम्र में वह उचित नहीं है। अगर सभी लोग भी इसी तरीके से हरक सिंह ने बोलने लगे, तो उनका उस उम्र की कदर समाप्त हो जाएगी। इसलिए इस प्रकार के बयानबाजी करके कहीं न कहीं वे खुद उस पूरे मामले को संदेह के घेरे में डालना चाह रहे हैं। क्योंकि अंतोगत्वा ये सत्य है कि जैनी प्रकरण कांग्रेस शासनकाल में हुआ था और उसके तथ्य आज भी छुपे हुए हैं।

श्री राम जी के 5 बाप थे', धीरेंद्र शास्त्री के एक और बयान पर हंगामा



लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के एक कथित बयान को लेकर कड़ी नाराजगी जाहिर की है। भगवान श्रीराम के पांच पिता होने संबंधी टिप्पणी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अखिलेश यादव ने कथावाचक पर निशाना साधते हुए उनके कार्यक्रमों को रद्द करने की मांग की है। अखिलेश यादव ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो साझा करते हुए सवाल उठाया कि आखिर ऐसे लोग किसके इशारे पर सक्रिय हैं। वायरल वीडियो में धीरेंद्र शास्त्री कथित तौर पर भगवान श्रीराम के पांच पिता होने की बात कहते सुनाई दे रहे हैं। उन्होंने अपने दावे के समर्थन में राजा दशरथ की मृत्यु के बाद भगवान राम द्वारा अंत्येष्टि संस्कार नहीं किए जाने का भी उल्लेख किया। इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए अखिलेश यादव ने लिखा कि पहले भगवान श्रीकृष्ण को लेकर विवादित वीडियो सामने आया और अब भगवान श्रीराम के पिता को लेकर आपत्तिजनक बातें कही जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे लोगों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के प्रयासों को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने संबंधित कथावाचक के सभी कार्यक्रम रद्द करने की मांग भी उठाई।

राम-कृष्ण की तुलना को लेकर भी हो चुका है विवाद

गौरतलब है कि इससे पहले मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करैरा में आयोजित श्रीराम कथा के दौरान धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण को लेकर की गई टिप्पणी भी विवादों में आ गई थी। इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। संत समाज के कुछ लोगों ने इस पर आपत्ति जताई थी।

विवाद बढ़ने के बाद धीरेंद्र शास्त्री ने सफाई देते हुए कहा था कि उनका उद्देश्य भगवान राम और भगवान कृष्ण के बीच किसी तरह का अंतर पैदा करना नहीं था। यदि उनकी बातों से किसी की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं तो वह इसके लिए क्षमा मांगते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया था कि उनकी टिप्पणी भक्ति परंपरा और ब्रज की प्रेमपूर्ण अभिव्यक्ति के संदर्भ में थी, न कि किसी भगवान का अपमान करने के लिए।

आयुष्मान खुराना को बिश्नोई गैंग के नाम पर धमकी, ऑडियो मैसेज भेजकर करोड़ों की मांग

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना से ऑडियो संदेश के जरिए करोड़ों रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। धमकी देने वाले अज्ञात व्यक्ति ने कथित तौर पर खुद को बिश्नोई गिरोह से जुड़ा बताया है। मामला सामने आने के बाद मुंबई पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस धमकी देने वाले की पहचान करने के साथ ही यह भी पता लगाने में जुटी है कि उसका वास्तव में बिश्नोई गिरोह से कोई संबंध है या नहीं। रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई पुलिस को मामले की जानकारी मिलने के बाद धमकी से संबंधित ऑडियो रिकॉर्डिंग की जांच शुरू की गई है। पुलिस संदिग्ध व्यक्ति की आवाज का मिलान अपने पास उपलब्ध नमूनों और रिकॉर्ड से कर रही है। इसके जरिए धमकी देने वाले की पहचान और उसके कथित गिरोह से संबंधों की पुष्टि करने का प्रयास किया जा रहा है। गौरतलब है कि आयुष्मान खुराना से रंगदारी मांगने का मामला सामने आने से एक दिन पहले अभिनेता तुषार कपूर को भी धमकी दी गई थी। उनसे पांच करोड़ रुपये की मांग किए जाने की खबर सामने आई थी। लगातार दो अभिनेताओं को धमकी मिलने की घटनाओं से फिल्म जगत में चिंता बढ़ गई है। अभिनेताओं को धमकी मिलने की ये घटनाएं 18 अक्टूबर को मुंबई के जुहू इलाके में अभिनेता टाइगर श्रॉफ से जुड़े आवास के बाहर हुई गोलीबारी की घटना के बाद सामने आई हैं। इसके अलावा, हाल ही में अभिनेता अमिताभ बच्चन को भी धमकी मिलने की खबर सामने आई थी।

श्रीनगर में भीषण अग्निकांड : जलकर खाक हुई 80 झुग्गियां

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर के बेमिना इलाके में आधी रात के वक्त भीषण आग लगने से भारी तबाही मच गई। बेमिना स्थित दुर्बल क्षेत्र में बनी झुग्गी बस्ती में 3 और 4 नवंबर की दरमियानी रात भड़की इस भयानक आग में कबाड़ बीनने का काम करने वाले दो लोगों की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत हो गई, जबकि लकड़ी और तिरपाल से बनी लगभग 80 अस्थायी झुग्गियां पूरी तरह जलकर राख के ढेर में तब्दील हो गईं। आग इतनी प्रचंड थी कि कुछ ही मिनटों में पूरी बस्ती में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई।

रात 12:23 बजे भड़की चिंगारी, अत्यधिक ज्वलनशील कचरे के कारण तेजी से फैली आग

अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, दुर्बल की घनी झुग्गी बस्ती में आग लगने की घटना रात करीब 12:23 बजे पेश आई। बस्ती में एकत्र किए गए प्लास्टिक, कबाड़ और अन्य अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थों के साथ-साथ लकड़ी व तिरपाल से बनी झोपड़ियों के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। जब तक लोग कुछ समझ पाते और आपातकालीन सेवाओं को सूचित किया जाता, तब तक लपटों ने पूरी बस्ती को अपने आगोश में ले लिया था। आग के प्रचंड ताप और लपटों की जद में आने से पास ही स्थित एक खाली पोल्ट्री फार्म और वहां खड़ा एक टिपर वाहन भी बुरी तरह जलकर क्षतिग्रस्त हो गया।

प्रदर्शन एक का नहीं, सबका अधिकार', सुप्रीम कोर्ट बोला रोजगार-कारोबार का ध्यान रखना भी जरूरी



नई दिल्ली (आरएनएस) । सार्वजनिक स्थानों पर लंबे समय तक धरना-प्रदर्शन करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अहम टिप्पणी की। अदालत ने स्पष्ट कहा कि कोई भी संगठन किसी सार्वजनिक जगह पर अनिश्चितकाल तक कब्जा करके प्रदर्शन नहीं कर सकता। यहां तक कि जिन स्थानों को विशेष रूप से धरना-प्रदर्शन के लिए निर्धारित किया गया है, वहां भी समय की सीमा तय होनी चाहिए, ताकि अन्य संगठनों और लोगों को अपनी आवाज उठाने का अवसर मिल सके।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि किसी एक संगठन को हमेशा के लिए किसी जगह पर कब्जा करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे।

अदालत दिल्ली में अक्टूबर महीने के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हुए प्रदर्शनों से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इन याचिकाओं में पुलिस की कार्रवाई, प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेने, निगरानी व्यवस्था, प्रदर्शन स्थलों और कारोबारियों को हुए नुकसान जैसे मुद्दे उठाए गए हैं।

सीजेआई बोले- किसान, मजदूर और पत्रकार कहां जाएंगे ?

सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कोई भी संगठन किसी सार्वजनिक स्थान पर हमेशा के लिए कब्जा नहीं कर सकता। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि एक संगठन लगातार उसी जगह प्रदर्शन करता रहेगा तो किसान, पत्रकार, मजदूर और दूसरे प्रदर्शनकारी अपनी बात रखने के लिए कहां जाएंगे ? अदालत ने कहा कि सभी संगठनों और नागरिकों को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है। इसलिए प्रदर्शन स्थलों पर भी एक निश्चित समय-सीमा होनी चाहिए, जिससे सभी को समान अवसर मिल सके।

व्यापारियों ने बताया 2,000 करोड़ रुपये का नुकसान

सुनवाई के दौरान दिल्ली के व्यापारिक संगठनों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने प्रदर्शनों के कारण कारोबार प्रभावित होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने अदालत को बताया कि त्योहारों के महत्वपूर्ण सीजन में कई दुकानें बंद रहीं और बाजारों में बिक्री पर बुरा असर पड़ा।

रोहतगी ने दावा किया कि प्रदर्शन के कारण व्यापारियों को लगभग 2,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान कारोबार प्रभावित होने से दुकानदारों के साथ-साथ उनसे जुड़े कर्मचारियों और अन्य लोगों को भी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।

व्यापारिक संगठनों ने अदालत से मांग की कि अगले दो महीनों तक दिल्ली में किसी भी तरह के धरने और प्रदर्शन पर रोक लगाई जाए।

एक दिन की अनुमति, लेकिन 17 दिन तक चला प्रदर्शन

दिल्ली पुलिस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रदर्शन की अनुमति और उसकी अवधि को लेकर अदालत के सामने अपना पक्ष रखा।

उन्होंने बताया कि कॉकरोच जनता पार्टी (ष्टछ्वक्क) को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने के लिए केवल एक दिन की अनुमति दी गई थी, लेकिन प्रदर्शनकारी 17 दिनों तक वहां बैठे रहे।

मेहता ने यह भी आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों ने बिना अनुमति संसद की ओर मार्च किया। उन्होंने कहा कि संसद देश की संप्रभुता का प्रतीक है और बिना अनुमति संसद या सुप्रीम कोर्ट की ओर मार्च करने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

उन्होंने दलील दी कि जो संगठन बंद या प्रदर्शन का आह्वान करते हैं, उन्हें उससे पैदा होने वाले परिणामों की जिम्मेदारी भी उठानी चाहिए।

7 हजार लोगों को हिरासत में लेने का उठा मुद्दा

सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी ने प्रदर्शन के दौरान करीब 7,000 लोगों को हिरासत में लिए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने सवाल किया कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों के खिलाफ कार्रवाई होने से लोकतांत्रिक अधिकार प्रभावित नहीं होते हैं?

दिमागी नक्सल वाला फ्लॉप बयान दोहरा रहे पीएम मोदी, वोट चोरी पर उनके पास कोई जवाब नहीं: मल्लिकार्जुन खड़गे



नई दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का समर्थन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिमागी नक्सल वाले बयान की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि वोट चोरी और विदेशी ताकतों के सामने भारतीय हितों को गिरवी रखने से जुड़े सवालों पर सरकार के पास कोई जवाब नहीं है। खड़गेने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, प्रधानमंत्री मोदी अपने फ्लॉप हो चुके दिमागी नक्सल वाले बयान को बार-बार दोहरा रहे हैं। उनके पास वोट चोरी और राहुल गांधी की उस खुली चुनौती का कोई जवाब नहीं है, जिसमें पूछा गया है कि उन्होंने भारतीय हितों को विदेशी ताकतों के सामने कैसे गिरवी रखा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान पर भी खड़गे ने सवाल उठाए, जिसमें उन्होंने तीन करोड़ मतदाताओं को घुसपैठिया बताया था। खरगे ने पूछा कि इतने वर्षों तक गृह मंत्री रहने के दौरान शाह क्या कर रहे थे और अवैध लोगों को भारत में प्रवेश करने से क्यों नहीं रोक पाए। उन्होंने कहा, शाह हमें बता रहे हैं कि तीन करोड़ मतदाता घुसपैठिए हैं। वह इतने वर्षों तक गृह मंत्री रहते हुए क्या कर रहे थे? उन्होंने अवैध लोगों को भारत में प्रवेश करने दिया? उन्हें अपनी अक्षमता के लिए बर्खास्त कर देना चाहिए।

खड़गे ने चुनाव आयोग पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग ने बार-बार अपना रुख बदला है। उन्होंने कहा, एसआईआर पर चुनाव आयोग ने पांच बार यू-टर्न लिया है। इसमें फॉर्म-6 में पूरी तरह बदलाव भी शामिल है, जिसे साथी चुनाव आयुक्तों ने ही अवैध बताया था। ऐसा क्यों? संसद की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए खड़गे ने कहा कि संसद के पिछले सत्र को 83 दिनों से अधिक समय बीतने के बावजूद अभी तक सत्रावसान नहीं किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष की हालिया गतिविधियों के बाद सरकार विशेष सत्र बुलाने की तैयारी कर रही है। खरगे ने कहा, संसद के पिछले सत्र का 83 दिनों से अधिक समय बीतने के बाद भी सत्रावसान नहीं हुआ है। अब जब अगला सत्र करीब है, तो वे विशेष सत्र बुलाना चाहते हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सार्वजनिक महाभियोग की पहल और रामलीला मैदान में हुई विशाल वोट बचाओ रैली ने मोदी जी और शाह को परेशान कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को खुली बहस की चुनौती देते हुए कहा कि उन्हें सवालों का सामना करना चाहिए और संसद में आकर जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा, आप संसद में नहीं आते। आपने एक भी खुली प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की है। अब बहस का समय है। आगे आइए और सवालों का सामना कीजिए। देश को बताइए कि आपने वोट चोरी क्यों की। खड़गे की यह टिप्पणी राहुल गांधी की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को विदेशी प्रभाव और देश की वित्तीय व्यवस्था से जुड़े मुद्दों सहित विभिन्न विषयों पर खुली बहस की चुनौती दिए जाने के एक दिन बाद आई है। मंगलवार को राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री से कहा था कि वह चर्चा के लिए कोई भी जगह चुन सकते हैं। उन्होंने विपक्ष को राष्ट्रविरोधी बताने वाले सरकार के आरोपों पर भी सवाल उठाए थे।

सम्पादकीय

दांव पर संवैधानिक व्यवस्था की साख

जजों की नियुक्ति में सरकार की मंजूरी ही निर्णायक रही, तो फिर कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के बीच अलगाव के सिद्धांत का क्या हुआ? और क्या इसे तथा न्यायपालिका की स्वतंत्रता का समर्पण नहीं माना जाएगा? भारतीय संविधान में अपनाए गए शक्तियों के विभाजन के सिद्धांत के तहत न्यायपालिका की स्वायत्त हैसियत है। सर्वोच्च न्यायालय ने व्याख्या की कि ये विभाजन संविधान के मूलभूत ढांचे का हिस्सा है। इसी आधार पर उसने 1993 और 1998 में दिए दो निर्णयों के जरिए उच्चतर न्यायपालिका में जजों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम सिस्टम कायम किया। इस प्रणाली की अक्सर यह कहकर आलोचना की गई है कि इससे सुप्रीम कोर्ट ने जजों की नियुक्ति में सरकार और विधायिका की भूमिका खत्म कर दी और उसने खुद को 'स्वायत्त' की जगह 'स्वतंत्र' बना लिया। ऐसा सिस्टम शायद ही किसी और लोकतांत्रिक देश में हो! मगर भारत की विशेष परिस्थितियों में नियुक्ति प्रक्रिया को पूर्णत: न्यायपालिका के दायरे में रखने के चलन को व्यापक जन-समर्थन रहा है। यह इस भरोसे रहा है कि इससे शासन व्यवस्था में अवरोध एवं संतुलन के सिद्धांत को व्यावहारिक बनाए रखने में मदद मिलेगी। अब सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व जज न्यायमूर्ति संजय किशन कौल ने पूर्व प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ के व्यवहार के बारे में जो कहा है, उसे इसी बड़े संदर्भ में देखना चाहिए। जस्टिस कौल ने कहा कि न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ कॉलेजियम के जरिए जजों की नियुक्ति का प्रस्ताव भेजने के पहले जजों की लिस्ट पर सरकार की मंजूरी लेते थे। न्यायमूर्ति कौल ने कहा कि चंद्रचूड़ सरकार के प्रति 'अत्यधिक सम्मान की भावना' रखते थे। इन टिप्पणियों से सर्व-प्रमुख प्रश्न यही उठता है कि अगर अंतत: सरकार की मंजूरी ही निर्णायक पहलू रहा, तो फिर कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के बीच अलगाव के सिद्धांत का क्या हुआ? और क्या इसे तथा न्यायपालिका की स्वतंत्रता का समर्पण नहीं माना जाएगा? फिलहाल, दावा सिर्फ एक प्रधान न्यायाधीश के व्यवहार के बारे में किया गया है, लेकिन हालिया वर्षों में उच्चतर न्यायपालिका के संबंध में इससे मिले-जुले सवाल अक्सर उठते रहे हैं। ये प्रश्न खुद न्यायपालिका में खास भूमिका रखने वाली शख्सियतों ने उठाए हैं। इन चर्चाओं ने कोर्ट की भूमिका को लेकर परिदृश्य को मटमैला कर दिया है। वर्तमान माननीय न्यायाधीशों को इस पर तुरंत गौर करना चाहिए, क्योंकि न्यायपालिका के साथ-साथ पूरी संवैधानिक व्यवस्था की साख दांव पर है।

सेवा और समरसता के भाव से मनी दीपावली, ब्रह्मपुरी के 500 परिवारों तक पहुंची सेवा की सौगात

देहरादून (नि०स०)। दीपावली भारतीय संस्कृति का ऐसा पर्व है, जो समाज में उल्लास, आत्मीयता और परस्पर सहयोग का संदेश देता है। इसी भाव को चरितार्थ करते हुए दीपावली के पावन अवसर पर सुभाष नगर की सेवा बस्ती ब्रह्मपुरी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सेवा विभाग द्वारा फिनोलेक्स पाइप्स एवं फिटिंग्स के सहयोग से सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत सेवा बस्ती के 500 परिवारों को खाद्य सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में सर्वप्रथम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महानगर कार्यवाह श्री सतेंद्र जी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने संघ द्वारा प्रतिपादित पंच परिवर्तन के विषयों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज जीवन में सकारात्मक परिवर्तन के लिए सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व का बोध तथा नागरिक कर्तव्य जैसे विषयों को अपने आचरण में उतारना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समाज परिवर्तन का आधार व्यक्ति और परिवार का जागरण है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने दायित्वों के प्रति सजग होगा, तभी एक सशक्त, संगठित एवं समरस समाज की रचना संभव होगी। इसके पश्चात फिनोलेक्स पाइप्स एवं फिटिंग्स के मार्केटिंग हेड श्री अमन भंडारी जी ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने सामाजिक सेवा के कार्यों में सहभागिता को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि त्योहारों की सार्थकता तभी है, जब समाज के सभी वर्गों के साथ प्रसन्नता और उल्लास साझा किया जाए। समाज के प्रति संवेदनशीलता एवं सहयोग का भाव ही सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाता है। कार्यक्रम में महानगर सेवा प्रमुख श्री विजय जी भाई साहब, सुभाष नगर के नगर कार्यवाह सहित सुभाष नगर के लगभग 70 स्वयंसेवक उपस्थित रहे। स्वयंसेवकों ने सेवा बस्ती के परिवारों तक खाद्य सामग्री पहुंचाने में सक्रिय सहभागिता की। दीपावली के अवसर पर आयोजित यह सेवा कार्य केवल खाद्य सामग्री वितरण तक सीमित नहीं रहा, अपितु समाज के विभिन्न वर्गों के बीच आत्मीयता, सहयोग और अपनत्व के संबंधों को सुदृढ़ करने का माध्यम भी बना। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सेवा गतिविधियों का मूल भाव समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचकर उसे समाज की सामूहिक शक्ति से जोड़ना है। ब्रह्मपुरी सेवा बस्ती के 500 परिवारों के साथ दीपावली की खुशियां साझा करने का यह प्रयास इसी सामाजिक दायित्वबोध की अभिव्यक्ति रहा।

दीप पर्व का आरंभ है समृद्धि का पर्व धनतेरस

आम मान्यता है कि इस दिन कुबेर अपने खजाने खोल देते हैं और अपनी पूजा करने वाले भक्तों पर जमकर कृपा करते हैं

डॉ घनश्याम बादल

आज के युग में धन से ही जीवन में रस है और शायद इस युक्ति को मानते हुए 'धन ते रस' यानी यानी 'धनतेरस' का पर्व मनाया जाता है कहते हैं इस पर्व को मनाने से जीवन में धन की वर्षा होती है। इस वर्ष धनतेरस 5 नवंबर को है धनतेरस पर लक्ष्मी पूजा त्रयोदशी तिथि के दौरान प्रदोष काल में करने का विधान है। धनतेरस पर सर्वार्थ सिद्धि योग अच्छा माना जाता है। पंचाग के अनुसार अनुसार इस योग में शुभ कार्य करने पर उसमें सफलता हासिल होती है सर्वार्थ सिद्धि योग को शुभ माना गया है क्योंकि इसमें सभी सिद्धियों का वास होता है। सर्वार्थ सिद्धि योग पर राहुकाल का भी असर नहीं होता और खरीदारी करना शुभ फल देने वाला होता है। धनतेरस को धन त्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस दिन देवताओं के वैद्य भगवान धन्वंतरि का जन्म हुआ था।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार समुद्र मंथन के समय भगवान धन्वंतरि त्रियोदशी तिथि को हाथों में अमृत का कलश लेकर प्रकट हुए थे।

कुबेर की पूजा के पीछे तीन प्रमुख मान्यताएं हैं: धन की सुरक्षा: धन अर्जित करना जितना महत्वपूर्ण है, उसका संरक्षण और सदुपयोग भी उतना ही आवश्यक है। कुबेर को धन का संरक्षक माना गया है। समृद्धि की कामना: लक्ष्मी से धन की प्राप्ति और कुबेर से उसकी स्थिरता तथा सुरक्षा की कामना की जाती है।

धन का सदुपयोग: धार्मिक दृष्टि से धन केवल संग्रह करने की वस्तु नहीं, बल्कि लोककल्याण, दान और जरूरतमंदों की सहायता का साधन भी है।

कुबेर पूजा मंत्र

भगवान कुबेर की पूजा करते समय इस मंत्र का जाप किया जाता है:

ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धनधान्याधिपतये धनधान्यसमृद्धिं मे देहि दापय स्वाहा।

एक सरल मंत्र भी प्रचलित है:

ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं श्रीं क्लीं वित्तेश्वराय नम:। एक आध्यात्मिक संदेश

धनतेरस पर कुबेर की पूजा का अर्थ केवल अधिक धन पाने की कामना करना



नहीं है। इसका वास्तविक संदेश यह भी है कि मनुष्य धन कमाए, उसे सुरक्षित रखे, अनावश्यक अपव्यय से बचे और उसका उपयोग परिवार, समाज तथा जरूरतमंदों के कल्याण में करे। लक्ष्मी धन देती हैं और कुबेर उसके संरक्षण का प्रतीक हैं। लेकिन धन को सार्थकता मनुष्य के विवेक, परिश्रम और सदुपयोग से ही मिलती है।

क्या खरीदना है शुभ

धनतेरस पर सोना-चांदी,आभूषण और बर्तन की खरीदारी करना बहुत ही शुभ माना गया है। धनतेरस पर खरीदी गई चीजों में तेरह गुने की वृद्धि होती है, इसके अलावा झाड़ू और धनिए के बीज की भी खरीदारी करते हैं।हिंदू धर्म में झाड़ू का संबंध मां लक्ष्मी से माना जाता है, इसलिए धनतेरस के दिन घर में नई झाड़ू लाना भी अच्छा माना जाता है। इस धनतेरस पर यदि आप सोना चांदी नहीं खरीद पा रहे हैं तो झाड़ू जरूर खरीद कर लाएं।

पीतल के बर्तन भी शुभ

धनतेरस के दिन पीतल धातु खरीदना बहुत ही शुभ माना जाता है। इससे आपके घर में सुख-समृद्धि आती है। कहा जाता है कि जब समुद्र मंथन से धन्वंतरि देव प्रकट हुए थे, तो उनके हाथों में अमृत कलश था। धार्मिक मान्यता है कि ये कलश पीतल की धातु का था, इसलिए पीतल धन्वंतरि देव की धातु मानी गई है।

दीया ज़रूर जलाएं

धनतेरस पांच पर्वों की दिवाली श्रंखला का पहला पर्व होता है। धनतेरस की शाम को घर के मुख्य दरवाजे और आंगन में दीये जलाए जाते हैं। अत: आप भी धनतेरस पर घर के द्वार पर कच्चे पक्के दिए जलाना न भूलें कच्चे दिए आटे के और पक्के दिए मिट्टी के होते हैं।

पौराणिक मान्यताएं

पौराणिक मान्यता के अनुसार धनतेरस पर भगवान धन्वंतरि,भगवान कुबेर के साथ माता लक्ष्मी की पूजा होती है। धनतेरस के दिन लक्ष्मी चालीसा, कुबेर यंत्र और कुबेर स्रोत का पाठ करने से धन के स्वामी भगवान कुबेर और माता लक्ष्मी प्रसन्न होती है।

लोककथा

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हीमा नाम का एक बेहद लोकप्रिय राजा था। ज्योतिषाचार्य ने राजा की कुंडली देखकर बताया कि राजा की मृत्यु एक सर्प के काटने से होगी। भविष्यवाणी सुनकर राजा की पत्नी बहुत भयभीत हो गई और अपने पति के प्राणों की रक्षा के लिए उन्होंने अपने सभी सोने व चांदी के आभूषण, एक बर्तन में रखकर कमरे की दहलीज पर रख दिया और उसके पास तेल का दीपक जला दिया। मृत्यु के देवता यम रात्रि में सर्प का रूप धारण कर राजा के प्राणों को हरने के लिए आएं। चमकते गहने और दीए की रोशनी से सर्प अंधा हो गया और कमरे के भीतर प्रवेश न कर सका। गहनों की चमक के कारण सर्प, राजा को काटे बगैर वापस लौट गया। इस तरह अपनी बुद्धिमत्ता और साहस से रानी ने राजा के प्राणों बाकी रक्षा कर ली थी ।

कैंट विधानसभा में अभिनव थापर द्वारा भव्य 'मातृशक्ति सम्मान समारोह' का आयोजन, समाज की आधारशिला महिलाओं को किया सम्मानित

देहरादून (नि०स०)। आज देहरादून की कैंट विधानसभा के इंदिरा नगर क्षेत्र स्थित रॉयल इन पैलेस वेडिंग पॉइंट में उत्तराखंड कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक अभिनव थापर द्वारा भव्य 'मातृशक्ति सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य रूप से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा वर्कर्स, भोजन माताओं तथा समाज के विभिन्न वर्गों में निस्वार्थ भाव से कार्य कर रही महिलाओं को सम्मानित किया गया। ये वे महिलाएं हैं, जो समाज की वास्तविक रीढ़ हैं और अपने अथक परिश्रम, सेवा, समर्पण एवं जिम्मेदारी से समाज को मजबूती प्रदान करती हैं। कार्यक्रम संयोजक एवं उत्तराखंड कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अभिनव थापर ने कहा कि समाज की वास्तविक शक्ति उन महिलाओं में बसती है, जो बिना किसी बड़े पद या पहचान की अपेक्षा के दिन-रात समाज की सेवा में जुटी रहती हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा और मातृ-शिशु स्वास्थ्य की जिम्मेदारी निभाती हैं, आशा वर्कर्स स्वास्थ्य सेवाओं को घर-घर तक पहुंचाकर माताओं और बच्चों के जीवन की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, वहीं भोजन माताएं विद्यालयों में बच्चों को भोजन उपलब्ध कराने के साथ उनके स्वास्थ्य और भविष्य को संवारने में योगदान देती हैं। ये महिलाएं समाज के हर वर्ग और हर परिवार तक पहुंचती हैं। इनके योगदान के बिना एक स्वस्थ, शिक्षित और सशक्त समाज की कल्पना अधूरी है।

द पॉली किड्स स्कूल के राजपुर रोड और प्रेम नगर शाखाओं का वार्षिक समारोह संपन्न

देहरादून (कमल शर्मा)। प्रतिभा, सांस्कृतिक विविधता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता के जीवंत उत्सव के रूप में, द पॉली किड्स स्कूल ने राजपुर रोड और प्रेम नगर शाखाओं का वार्षिक समारोह 2026-27 देहरादून के हाथीबड़कला स्थित सर्वे ऑफ इंडिया ऑडिटोरियम में आयोजित किया। इस कार्यक्रम में नन्हे विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय परंपराओं, वैश्विक प्रभावों और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को एक साथ प्रस्तुत किया गया। यह आयोजन समग्र शिक्षा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति विद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस समारोह में लगभग 700 अतिथियों और अभिभावकों ने भाग लिया तथा विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों का आनंद लिया। राजपुर रोड शाखा ने 'रंग मंच - जहाँ सितारे जन्म लेते हैं' प्रस्तुत किया, जिसमें भारतीय विरासत और वैश्विक संस्कृति के संगम का उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में गणेश वंदना, विदेशी फेस्टिवल, स्वदेशी त्योहार, द मार्शल आर्ट्स शोकेस, स्वदेशी हॉकी प्राइड, घूमर स्वर्ल्स और स्वदेशी एवं विदेशी फ्यूजन - द रिदम रम्बल्स शामिल रहे। भव्य समापन प्रस्तुति 'टुगेदर वी सेलिब्रेट' ने एकता और सद्भाव का सशक्त संदेश दिया। प्रेम नगर शाखा ने 'पृथ्वी उत्सव - बदलाव के पंख' प्रस्तुत किया, जिसका मुख्य विषय पर्यावरण संरक्षण और सतत जीवनशैली रहा। आदिवासी बीट्स, मिशन ग्रीन, द जंगल स्टोरी, सैफायर - वॉइस ऑफ नेचर, छोटी बूँद, बड़ा संदेश और द ग्रीन वॉरियर्स जैसी प्रस्तुतियों ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के लिए पृथ्वी की रक्षा के महत्व को उजागर किया। कार्यक्रम का समापन एक ऊर्जावान भव्य प्रस्तुति के साथ हुआ।

अमित शाह की पदयात्रा से जनता को होगी परेशानी : प्रीतम सिंह



देहरादून (नि०स०)। प्रदेश कांग्रेस चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष, चकराता विधायक व पूर्व मंत्री प्रीतम सिंह ने भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश में निकाली जा रही लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ यात्रा पर तंज कसते हुए कहा कि यह बेहद हास्यास्पद है कि जिस पार्टी की केन्द्र और राज्य दोनों जगह सरकारें हैं, वही पार्टी लोकतंत्र बचाने के लिए यात्रा निकाल रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर लोकतंत्र को खतरा किससे है। उन्होंने कहा कि जब सत्ता स्वयं भाजपा के हाथों में है, तो उसे यह स्पष्ट करना चाहिए कि लोकतंत्र को बचाने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है और प्रदेश में अराजकता फैलाने के लिए जिम्मेदार कौन है। उन्होंने कहा कि बीती एक नवंबर को विपक्षी दलों की लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व रामलीला मैदान में होने वाली रैली से व्यापारियों ने जोर देकर कहा था कि इस रैली से व्यापारियों के कारोबार पर असर पडेगा, लेकिन छह नवंबर को गृह मंत्री के कार्यक्रमों एवं पदयात्रा से क्या दून के व्यापारियों का कारोबार प्रभावित नहीं होगा। प्रीतम सिंह ने भाजपा की इस पदयात्रा के लिए गृह मंत्री अमित शाह के देहरादून दौरे पर भी सवाल खड़े करते हुए कहा कि धनतेरस हिन्दू समाज का एक महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन बाजारों में भारी चहल-पहल रहती है तथा लोग खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में घरों से निकलते हैं। ऐसे अवसर पर गृह मंत्री का देहरादून दौरा और उसके मद्देनजर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं में होने वाले बदलाव आम जनता के साथ-साथ व्यापारियों के लिए भी परेशानी का कारण बनेंगे। उन्होंने कहा कि धनतेरस का दिन व्यापारियों के लिए वर्ष के सबसे महत्वपूर्ण व्यावसायिक दिनों में से एक होता है। उन्होंने कहा कि ऐसे में शहर के प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रतिबंध, रूट डायवर्ट और सुरक्षा व्यवस्था के चलते बाजारों में आने-जाने वाले ग्राहकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, जिसका सीधा असर व्यापारिक गतिविधियों पर भी पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा है कि भाजपा को असल मे उसे जनता की परेशानियों से कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा को लोकतंत्र और अराजकता की चिंता करने से पहले अपने शासनकाल के कार्यों और नीतियों पर आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र केवल यात्राएं निकालने और नारे लगाने से मजबूत नहीं होता, बल्कि जनता के अधिकारों का सम्मान करने, लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखने और आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने से मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि भाजपा को राजनीतिक कार्यक्रमों के आयोजन के साथ-साथ आम जनता की सुविधाओं, व्यापारियों के हितों और त्योहारों की संवेदनशीलता का भी ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा को तो केवल पदयात्रा निकालनी है उन्हें लोगों व व्यापारियों के हितों से किसी भी प्रकार का कोई सरोकार नहीं है।

उपनल कर्मियों की भांति डाटा एंट्री ऑपरेटरों को भी मिले समान कार्य-समान वेतन का लाभ ल मोर्चा



विकासनगर (नि०स०)। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएम के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि प्रदेश भर की तहसीलों में भूलेख केंद्रों पर लगभग 15-20 वर्ष से कार्यरत लगभग 120 कंप्यूटर ऑपरेटर्स/ डाटा एंट्री ऑपरेटर्स (उपनल कर्मियों से इतर)15-16 हजार रुपए में कार्य करने को मजबूर हैं,लेकिन इनकी पीड़ा को कोई सुनने वाला नहीं है। नेगी ने कहा कि राजस्व विभाग के शासनादेश जून 2016 के अनुसार इन कार्यरत कर्मियों को उपनल कर्मियों की भांति मानदेय दिए जाने का प्रावधान किया गया था और वर्तमान में उपनल के माध्यम से कार्योजित समस्त कार्मिकों को समान कार्य-समान वेतन का लाभ अनुमन्य कर दिया गया है, लिहाजा इस हिसाब से समस्त डाटा एंट्री ऑपरेटर्स भी समान कार्य- समान वेतन का लाभ पाने के हकदार हो गए हैं, इसलिए इन कार्मिकों को भी यह सुविधा अनुमन्य होनी चाहिए । नेगी ने कहा कि महंगाई के इस दौर में 15-16 हजार रुपए में परिवार का भरण- पोषण करना बहुत ही दुष्कर कार्य है, इसलिए इस संबंध में सरकार को गंभीरता से सोचना चाहिए । ये कार्मिक खतौनियाँ तैयार करने के अलावा आर ओ आर वितरण, निर्वाचन संबंधी महत्वपूर्ण कार्य, जनगणना के समस्त कार्य आदि तमाम कार्यों का निर्वहन भी करते हैं ।

'भैरव वाणी' पत्रिका और न्यूज़ पोर्टल का देहरादून में हुआ भव्य शुभारंभ

देवभूमि में उतरा नया मीडिया मंच : 'भैरव वाणी' पत्रिका और पोर्टल का भव्य शुभारंभ

देहरादून (नि०स०)। देवभूमि उत्तराखंड की पावन धरा पर सनातन संस्कृति, क्षेत्रीय सरोकारों और जनहित के मुद्दों को मुखरता से उठाने के लिए नए मीडिया मंच 'भैरव वाणी' पत्रिका एवं न्यूज़ पोर्टल का औपचारिक शुभारंभ किया गया है।

हरिद्वार बाईपास रोड स्थित भैरव सेना कार्यालय में आयोजित इस भव्य समारोह में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और वैचारिक संगठनों के दिग्गज चेहरे शामिल हुए, जिन्होंने इस नई पहल को जनहित के लिए एक मजबूत कदम बताया।

प्रखर क्षेत्रीय संगठन 'भैरव सेना' के तत्वावधान में शुरू हुए इस कार्यक्रम का मुख्य ध्येय वाक्य 'सत्य, संस्कृति, संचार — देवभूमि उत्तराखंड की आवाज़' तय किया गया है। समारोह के मुख्य अतिथि निरंजनी अखाड़े के श्री महंत स्वामी दर्शन भारती रहे, जिनके आध्यात्मिक मार्गदर्शन ने कार्यक्रम को विशेष ऊर्जा दी। इस दौरान नगर निगम देहरादून के पार्षद राकेश पंडित, भारतीय किसान यूनियन एकताशक्ति के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा और राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र बॉबी ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए जन समस्याओं को मुखर करने के इस प्रयास की सराहना की।



संस्थान के मुख्य संपादक संदीप खत्री ने मंच के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए स्पष्ट किया कि यह संस्थान किसी भी जनमुद्दे, क्षेत्रीय समस्या या धार्मिक विषय पर बिना किसी संकोच के पूरी मुखरता के साथ अपनी बात रखेगा। उन्होंने कहा कि यह पोर्टल प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियडिकल्स एक्ट (क्क्नन्नद्ब) तथा अन्य सभी वैध शासकीय नियमों के अंतर्गत अपनी पारदर्शी भूमिका निभाएगा। कवरेज के दायरे में तथ्यात्मक जमीनी खबरें, पौराणिक विरासत का संरक्षण, दूर-दराज के क्षेत्रों की गतिविधियां और आम जनता की समस्याएं शामिल होंगी।

इस भव्य शुभारंभ समारोह में भैरव सेना के तमाम प्रमुख पदाधिकारियों के साथ सामाजिक संस्था 'देवभूमि भैरव वाहिनी' की महिला कार्यकर्ताओं ने भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अनिल कुमार, केंद्रीय सचिव संजय पवार, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष मयंक मलेठा, प्रदेश संगठन मंत्री गणेश जोशी के साथ ही गोरी कोठियाल, गीता बिष्ट, सुनीता थापा और लक्ष्मी थापा जैसी महिला नेत्रियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लेकर नारी शक्ति की भागीदारी को सुनिश्चित किया।

तुलाज़ इंटरनेशनल स्कूल में 13वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित, 'शिव शक्ति - द इटरनल यूनियन' की भव्य प्रस्तुति ने मोहा मन

देहरादून (नि०स०)। तुलाज़ इंटरनेशनल स्कूल ने अपना 13वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास और सांस्कृतिक उत्साह के साथ मनाया। इस वर्ष समारोह की थीम 'शिव शक्ति - द इटरनल यूनियन' रही, जिसके अंतर्गत विद्यालय के विद्यार्थियों ने कला, संस्कृति और आध्यात्मिकता का सुंदर संगम प्रस्तुत किया। समारोह का शुभारंभ आर्ट एवं क्ले मॉडलिंग प्रदर्शनी, आकर्षक पैरेंट्स कार्निवल और विज्ञान प्रदर्शनी के साथ हुआ। इन आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता, कलात्मक प्रतिभा और वैज्ञानिक नवाचार को प्रदर्शित करने का अवसर मिला। इस अवसर पर तुलाज़ ग्रुप के अध्यक्ष एवं संस्थापक सुनील कुमार जैन, ऋषभ एजुकेशनल ट्रस्ट एवं तुलाज़ ग्रुप की सचिव संगीता जैन, मंजू गर्ग, तुलाज़ ग्रुप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं सह-संस्थापक रौनक जैन, राधिका जैन, तुलाज़ ग्रुप की डायरेक्टर जनरल एवं सह-संस्थापक सिल्की जैन मारवाह, नेटपप्पीज़ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं सह-संस्थापक प्रतीक मारवाह तथा तुलाज़ ग्रुप के वाइस प्रेसिडेंट ऑफ टेक्नोलॉजी एवं सह-संस्थापक डॉ. राघव गर्ग उपस्थित रहे।

जॉर्ज एवरेस्ट और सरकारी संपत्तियों के निजीकरण पर राज्यपाल से मिला कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल

देहरादून (नि०स०)। उत्तराखंड की राजनीति में उस वक्त भूचाल आ गया जब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन पहुंचकर राज्यपाल से मुलाकात की और धामी सरकार पर राज्य की करीब 1 लाख करोड़ रुपये की बेशकीमती सरकारी जमीनें और धरोहरें औने-पौने दामों पर निजी हाथों में बेचने का गंभीर आरोप लगाया।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि संविधान के अनुच्छेद 154 और 166 के तहत इन सभी फैसलों को तुरंत निरस्त किया जाए और संपत्तियों को उनके मूल विभागों को वापस लौटाया जाए। कांग्रेस ने साफ चेतावनी दी है कि यदि 10 दिनों के भीतर इन आदेशों को वापस नहीं लिया गया, तो पार्टी उच्च न्यायालय का रुख करेगी।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ नेताओं ने राज्यपाल को बताया कि 20 दिसंबर 2022 के कैबिनेट निर्णय के जरिए सभी विभागों की सरकारी भूमि पर अंतिम निर्णय लेने का अधिकार अकेले मुख्यमंत्री के पास केंद्रित कर दिया गया है, जो संविधान के सामूहिक उत्तरदायित्व के सिद्धांतों के खिलाफ है। इसी शक्ति का इस्तेमाल कर मसूरी की प्रसिद्ध जॉर्ज एवरेस्ट एस्टेट की 142 एकड़ भूमि और राष्ट्रीय धरोहर को मात्र 1 करोड़ रुपये सालाना किराये पर एक निजी कंपनी को 15 साल के लिए सौंप दिया गया। इसके अलावा पटवाडांगर, ऋषिकेश, डाकपत्थर और रामगढ़ समेत राज्यभर की 40 महत्वपूर्ण संपत्तियों के मुद्रीकरण और लीज आवंटन में यूआईआईडीबी अधिनियम, 2023 के प्रावधानों और कार्य नियमावली (रूल्स ऑफ बिजनेस) की अनदेखी की गई है।

ज्ञापन में यह भी उजागर किया गया कि कई मामलों में संपत्तियों का हस्तांतरण बिना मुकम्मल राजस्व अभिलेखों और पैमाइश के किया गया है। उदाहरण के तौर पर, पटवाडांगर की भूमि को कृषि विभाग की बताकर यूआईआईडीबी को सौंपा गया, जबकि राजस्व परिषद के रिकॉर्ड में वह भूमि वन एवं राजस्व विभाग के अभिलेखों में विधिवत दर्ज ही नहीं थी।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया की दमदार रफ्तार जारी -शेयर बाजार में लिस्टिंग के बाद वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में दर्ज की सबसे ज्यादा ग्रोथ

देहरादून (नि०स०)। भारत के मशहूर कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड ने आज वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही के नतीजे घोषित किए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार में लिस्ट होने के बाद, पिछले साल के मुकाबले अपनी सबसे ज्यादा ग्रोथ हासिल की है। यह लगातार दूसरी तिमाही है जब कंपनी ने डबल-डिजिट ग्रोथ दर्ज की है। इन नतीजों पर बात करते हुए, एलजीई इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री होंग जू जियोन ने कहा, 'हमें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि हमने लगातार दूसरी तिमाही में शानदार नतीजे दिए हैं, जिससे हमारी पहली छमाही भी बहुत मजबूत रही है। यह प्रदर्शन भारत की कंज्यूमर ड्यूरेबल्स इंडस्ट्री की ताकत को दिखाता है। लोगों की बढ़ती आमदनी, प्रीमियम प्रोडक्ट्स की बढ़ती चाहत और शहरों से लेकर उभरते बाजारों तक पहुंच बढ़ने का फायदा इस इंडस्ट्री को मिल रहा है। एक लिस्टेड कंपनी के तौर पर एलजीई इंडिया का पहला साल पूरा हो रहा है, और यह प्रदर्शन हमारे शेयरधारकों के हम पर भरोसे और उनके लिए लंबे समय का फायदा बनाने के हमारे वादे को दिखाता है। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स से आगे बढ़कर, हम तेजी से बदलते बी टू बी सेक्टर में भी अपने कदम बढ़ा रहे हैं और एक नए बी टू बी वर्टिकल, व्हीकल सॉल्यूशंस में एंट्री कर रहे हैं। हमारी तीन मुख्य रणनीतियां- मेक-इन-इंडिया, मेक-फॉर-इंडिया, और मेक-इंडिया-ग्लोबल- आगे भी घरेलू और एक्सपोर्ट बाजारों में हमारी ग्रोथ को रफ्तार देती रहेंगी।' एलजीई इंडिया ने अपनी ग्रोथ की रफ्तार बरकरार रखते हुए वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में ऑपरेशंस से 73.80 अरब रुपये की शानदार आमदनी की है, जो पिछले साल इसी समय के 61.74 अरब रुपये के मुकाबले 19.5 प्रतिशत ज्यादा है। एबिटा 28.0 प्रतिशत बढ़कर 7.01 अरब रुपये हो गया है और इसका मार्जिन 63 बेसिस पॉइंट्स बढ़कर 9.5 प्रतिशत हो गया है। वहीं, टैक्स चुकाने के बाद का मुनाफा 25.7 प्रतिशत बढ़कर 4.89 अरब रुपये तक पहुंच गया है। कंपनी ने यह मुनाफा तब हासिल किया है जब कच्चे माल की कीमतें ज्यादा थीं, रुपये की कीमत में गिरावट आई थी और आने वाले त्योहारी सीजन की मांग को पूरा करने के लिए बाजार में निवेश किया गया था।

खांसी का इलाज बन सकता है शहद, लेकिन इन 5 बातों का रखें खास ध्यान



खांसी एक आम समस्या है, जिससे हर कोई कभी न कभी गुजरता है। इसे दूर करने के लिए कई लोग शहद का सेवन करते हैं। शहद में कीटाणुओं को रोकने वाले और शरीर के लिए फायदेमंद गुण होते हैं, जो खांसी को कम करने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, शहद का उपयोग करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। आइए जानते हैं कि खांसी के लिए शहद का इस्तेमाल करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

शहद का चयन कैसे करें ?

खांसी के लिए अच्छा शहद चुनना बहुत जरूरी है। बाजार में कई प्रकार के शहद उपलब्ध हैं, लेकिन सभी एक जैसे नहीं होते।

असली और प्राकृतिक शहद ही सबसे ज्यादा असरदार होता है। इसलिए हमेशा भरोसेमंद और प्रमाणित शहद खरीदें।

इसके अलावा बिना किसी प्रक्रिया के तैयार किया गया शहद भी अच्छा विकल्प हो सकता है क्योंकि इसमें सभी पोषक तत्व बने रहते हैं।

सही मात्रा में सेवन करें

शहद की मात्रा का ध्यान रखना भी अहम है। जरूरत से ज्यादा शहद खाने से नुकसान हो सकता है।

आमतौर पर एक चम्मच शहद रोजाना पर्याप्त होता है। इसे खाली पेट या हल्के गुनगुने पानी में मिलाकर लिया जा सकता है। इससे आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलेंगे और खांसी में भी राहत मिलेगी।

इसके अलावा शहद का सीमित सेवन करने से आपको अधिक लाभ होगा और आप स्वस्थ रहेंगे।

बच्चों के लिए विशेष सावधानी बरतें

बच्चों के लिए शहद का सेवन करते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। एक साल से छोटे बच्चों को शहद न दें क्योंकि इसमें कुछ हानिकारक तत्व हो सकते हैं, जो उनके लिए नुकसानदायक हो सकते हैं।

इसके अलावा छोटे बच्चों की खांसी का इलाज करने से पहले हमेशा डॉक्टर से सलाह लें ताकि उनकी सेहत पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

बच्चों की सेहत का ध्यान रखना बहुत जरूरी है, इसलिए उन्हें शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ ही दें।

गर्भवती महिलाओं के लिए क्या है सही ?

गर्भवती महिलाओं को भी शहद का सेवन करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। गर्भावस्था के दौरान शरीर में कई बदलाव होते हैं, जिससे महिला की सेहत प्रभावित हो सकती है।

इसलिए गर्भवती महिलाओं को सलाह दी जाती है कि वे अपने डॉक्टर या पोषण विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही किसी भी प्रकार का आहार परिवर्तन करें।

इसके अलावा वे अपनी डाइट में शहद शामिल करने से पहले उसकी मात्रा और गुणवत्ता पर ध्यान दें।

डॉक्टर की सलाह लें

अगर आपकी खांसी लंबे समय तक ठीक नहीं होती या बहुत ज्यादा परेशान कर रही हो, तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। शहद एक प्राकृतिक उपाय हो सकता है, लेकिन यह हर स्थिति में कारगर नहीं होता।

डॉक्टर आपकी समस्या का सही निदान कर सकते हैं और उचित इलाज बता सकते हैं। इस प्रकार इन बातों का ध्यान रखकर आप सुरक्षित तरीके से शहद का उपयोग करके अपनी खांसी को कम कर सकते हैं।

बेस अस्पताल की मांग को लेकर आर-पार की लड़ाई, 14 नवंबर को गौचर में गरजेगी बेस संघर्ष समिति



चमोली (प्रदीप लखेड़ा)। चमोली जनपद में बेस अस्पताल की मांग को लेकर बेस संघर्ष समिति का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। सिमली में बेस अस्पताल का शासनादेश जारी करने की मांग को लेकर पिछले 12 दिनों से धरने पर बैठे लोगों का आक्रोश अब बढ़ता जा रहा है। बुधवार को धरने पर बैठे लोगों ने शासन-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि क्षेत्रीय जनता लंबे समय से सिमली में बेस अस्पताल का शासनादेश जारी करने की मांग करती आ रही है। इस मांग को लेकर कई बार आंदोलन, मशाल जुलूस और प्रदर्शन किए जा चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद अब तक शासनादेश जारी नहीं हो पाया है, जो पहाड़ी क्षेत्रों की स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर स्थिति को दर्शाता है। लोगों का कहना है कि अस्पतालों में मरीजों के उपचार के लिए जरूरी उपकरणों और सुविधाओं का अभाव है, जिसके चलते मरीजों और उनके तीमारदारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पहाड़ी क्षेत्र की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अब बेस संघर्ष समिति ने आंदोलन को और व्यापक रूप देने का निर्णय लिया है। समिति की ओर से आगामी 14 नवंबर को गौचर में आयोजित होने वाले मेले के शुभारंभ अवसर पर विशाल प्रदर्शन करने का ऐलान किया गया है। यह प्रदर्शन बेस संघर्ष समिति के नेतृत्व में किया जाएगा। समिति ने क्षेत्रीय जनता से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर आंदोलन को समर्थन देने की अपील की है। इस दौरान बेस संघर्ष समिति के अध्यक्ष देवेंद्र नेगी, संरक्षक महेश डिमरी, भास्कर डिमरी, प्रकाश सेमवाल, हर्षवर्धन डिमरी, मोहन प्रसाद, दिनेश चंद्र, वीरेंद्र सिंह, दयाल सिंह, अनुसूया प्रसाद, अनूप डिमरी, अक्षत खंडूड़ी, मनोज कुमार, गिरीश डिमरी और सुनीता सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्थानीय उत्पादों से रोशन होगी दीपावली, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं ने लगाए स्टॉल

चमोली (प्रदीप लखेड़ा)। दीपावली के पावन पर्व पर स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने और ग्रामीण महिलाओं की आजीविका को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हरियाली क्लस्टर, देवर खडोरा, विकासखंड दशोली की स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर, गोपेश्वर में आकर्षक स्टॉल लगाए हैं। इन स्टॉलों पर महिलाओं के हुनर और रचनात्मकता से तैयार दीपावली के पारंपरिक एवं सजावटी उत्पादों सहित विभिन्न स्थानीय उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। स्टॉल में बजरंगबली स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार आकर्षक दीपक एवं मूर्तियां तथा हिलांस और भवानी स्वयं सहायता समूहों के विभिन्न उत्पाद लोगों को आकर्षित कर रहे हैं।

आपका राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपके सारे पुराने काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। साइंस से जुड़े छात्रों को आज अच्छी जॉब का ऑफर मिल सकता है। बिजनेस के सिलसिले में दोस्त के साथ बाहर जा सकते है। व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे। आज किसी से बात करते समय अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। लवमेट अपने रिश्ते को लेकर घर पर बात करेंगे। रिश्ता तय हो सकता है। जिससे घर में खुशियों का माहौल बना रहेगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए सार्थक रहने वाला है। आज कम्पनी की तरफ से आपको काम के सिलसिले में विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है। आज स्टूडेंट्स की पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी, कई दिनों से किसी टॉपिक को समझने में परेशान चल रही थी आज उसे अच्छे से क्लियर कर पायेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। जीवनसाथी के साथ आज का दिन मनोरंजक गुजरेगा। आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज सोचा हुआ आपका काम पूरा हो जाएगा।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहेगा। आज बच्चों के भविष्य से जुड़ी कुछ योजनाएं बनेंगी और उन्हें तुरंत लागू करना भी उचित रहेगा। किसी महत्वपूर्ण उद्देश्य को लेकर आज यात्रा भी हो सकती है। अपने उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर आज आपको पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। आज अपने लवमेट को रिंग गिफ्ट कर सकते हैं, इससे आज आप दोनों के बीच रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी।

कर्क राशि : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। परिवार वालों के साथ मनोरंजन के लिए कहीं ट्रिप का प्लान बन सकता है। परिवार के सभी सदस्यों के साथ आज अच्छा समय बिताएंगे। रियल स्टेट से जुड़े लोगों की आज फायदेमंद डील हो सकती हैं। सरकारी क्षेत्र में सेवारत व्यक्तियों को आज जरूरी काम से यात्रा करनी पड़ सकती है। इस राशि के व्यापारी वर्ग को आज अचानक बड़ा फायदा हो सकता है। टेन्ट हाउस और ईवेंट मनेजमेंट का काम करने वालों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है, बढ़िया मुनाफा होने वाला है।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपके सारे पुराने काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। साइंस से जुड़े छात्रों को आज अच्छी जॉब का ऑफर मिल सकता है। बिजनेस के सिलसिले में दोस्त के साथ बाहर जा सकते है। व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे। आज किसी से बात करते समय अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। लवमेट अपने रिश्ते को लेकर घर पर बात करेंगे। रिश्ता तय हो सकता है। जिससे घर में खुशियों का माहौल बना रहेगा।

कन्या राशि : आज आप का दिन बेहतर रहेगा। बच्चों द्वारा आज शुभ समाचार मिलने से घर में खुशी का माहौल रहेगा साथ ही पिछले कुछ दिनों से चल रही किसी दुविधा का भी समाधान निकलेगा जिससे परिवार के सभी सदस्यों को आनन्द की प्राप्ति होगी। आज खाद्य पदार्थों के व्यापार में चार गुना वृद्धि हो सकती है। आज आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बना रहेगा। आज रूक्त्र के स्टूडेंट्स अपने कॉलेज को प्रोजेक्ट पूरा करने में दोस्तों की मदद मिलेगी।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए लकी रहेगा। दोस्तों के साथ आज कहीं बाहर पार्टी करने जा सकते है। इस राशि के बिजनेस मैन को आज अचानक किसी काम का बड़ा आर्डर मिल सकता है। आज व्यवसाय में किसी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन किसी अनुभवी व्यक्ति के मार्गदर्शन से समस्या हल भी हो जाएगी। आपकी आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अगर आज किसी नये बिजनेस की शुरुआत करने की सोच रहें है तो माता-पिता की राय अवश्य लें निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए भाग्यशाली साबित होने वाला है। आज दोस्त की बर्थडे पार्टी में नए लोग मिलेंगे जो आपके लिए आने वाले समय फायदेमंद साबित होंगे। आज ऑफिस के कार्यों में मन लगेगा बॉस आपके काम से प्रभावित होंगे। यदि आज कहीं बाहर जाना चाह रहें है तो ए.टी.एम. कार्ड साथ ले जाना न भूलें। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन संतोषजनक रहेगा अपने स्टडी प्लान में जरूरी बदलाव करेंगे। परिवार के साथ आज रात को बाहर डिनर का प्लान बन सकता है इससे रिश्तों में मधुरता बनेगी।

धनु राशि : आज आप का दिन ताजगी भरा रहेगा। आज की गई मेहनत का सार्थक फल आपको अवश्य मिलेगा। घर में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति के आने से कुछ खास मुद्दों पर सकारात्मक विचार विमर्श होगा। आज आपको ऑफिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारीयां मिल सकती है। आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात का अवसर मिलेगा जिनसे भविष्य से जुड़ी योजनाओं पर विचार-विमर्श कर सकते हैं। आज आपको सबकी बातें ध्यान से सुननी चाहिए। आज आपको आर्थिक रूप से अधिक लाभ होगा।

मकर राशि : आज आपका दिन सामान्य रहेगा। कलात्मक कार्यों में रुचि रखने वाले लोगों के लिए आज दिन विशेष है आज आपको अपनी योग्यता को निखारने का मौका मिल सकता है। सड़क पर चलते समय आज ट्रैफिक नियमों को ध्यान में रखकर ही रोड-क्रास करें। आज आप अपने दोस्त को प्रसन्न करने के लिए उन्हें चॉकलेट गिफ्ट कर सकते है। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है। कुछ कार्यों को लेकर आप उलझन में आ सकते हैं लेकिन किसी अनुभवी की मदद से आपको राहत मिलेगी।

कुंभ राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन करियर को एक बेहतर दिशा देने के लिए अनुकूल रहेगा। कारोबार में आज किसी नए काम को लेकर भ्रमित न हों और उस पर पूरे मन से काम करें निश्चित ही आप सफल होंगे। स्वास्थ्य के मामले में आज बाहर के खाने से परहेज करें। आज किसी काम को करने में जल्दबाजी न करें। आज आपको कारोबार में अच्छा धन लाभ होने वाला है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए आज का अच्छा रहने वाला है। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए बेहद खास पल लेकर आया है। आज रोजगार में पदोन्नति के अवसर मिलेगा। आज प्रभावशाली लोगों से मेल-मुलाकात होने से आप अपने अंदर भी कुछ बदलाव महसूस करेंगे। बच्चों के भविष्य से जुड़ी कुछ योजनाएं बनेंगी और उन्हें तुरंत लागू करना भी उचित रहेगा ऑफिस में आज आपकी कर्तव्यनिष्ठा के लिए आपको सम्मानित किया जा सकता है इसलिए आज आप ऑफिस टाइम पर जाएं।

32 साल बाद बड़े पर्दे पर लौटेगी अक्षय कुमार की 'मोहरा'



बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और नसीरुद्दीन शाह की चर्चित एक्शन फिल्म 'मोहरा' 32 साल बाद एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। त्रिमूर्ति फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड ने फिल्म की दोबारा रिलीज की पुष्टि की है। वर्ष 1994 में प्रदर्शित यह लोकप्रिय फिल्म 6 नवंबर को बड़े पर्दे पर वापसी करेगी। खास बात यह है कि उसी दौरान इसका मुकाबला रणबीर कपूर और यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' से होने की संभावना है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, दीपेंद्र सिंह की कंपनी 'रिम्पी फिल्म्स इंटरनेशनल' फिल्म 'मोहरा' को आधुनिक 4के तकनीक में दोबारा तैयार कर रिलीज कर रही है। कंपनी पिछले कई दिनों से सामाजिक माध्यमों पर फिल्म की वापसी के संकेत दे रही थी। इसके साथ ही त्रिमूर्ति फिल्म्स के बैनर तले बनी कुछ अन्य चर्चित फिल्मों को भी दोबारा सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने की योजना सामने आई है।

इन फिल्मों में 'विधाता' (1982), 'युद्ध' (1985), 'त्रिदेव' (1989) और 'गुप्त' (1994) के नाम शामिल हैं। हालांकि, इन फिल्मों की दोबारा रिलीज की तारीखों को लेकर अभी अलग से आधिकारिक घोषणा की जानकारी सामने नहीं आई है। राजीव राय के निर्देशन में बनी 'मोहरा' 1 जुलाई 1994 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों का शानदार प्रतिसाद मिला था और यह बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफल फिल्मों में शामिल हुई। इसकी कहानी, दमदार अभिनय और संगीत ने इसे लोकप्रियता दिलाई।

फिल्म में अक्षय कुमार और नसीरुद्दीन शाह के अलावा सुनील शेट्टी, रवीना टंडन, परेश रावल, गुलशन ग्रोवर, रजा मुराद और पूनम झावर ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं। विजू शाह के संगीत को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया था। फिल्म के गीत लंबे समय तक लोकप्रिय रहे और इसकी पहचान का अहम हिस्सा बने।

करीब तीन दशक बाद 'मोहरा' की वापसी से पुराने दर्शकों को एक बार फिर इस फिल्म को बड़े पर्दे पर देखने का मौका मिलेगा। वहीं, नई पीढ़ी के दर्शक भी इस चर्चित एक्शन फिल्म का सिनेमाघरों में अनुभव कर सकेंगे। दिवाली के सप्ताह में इसकी रिलीज और 'रामायण' के साथ संभावित मुकाबले पर फिल्म कारोबार से जुड़े लोगों की नजर रहेगी।

क्या श्रद्धा की किस्मत बदलेगी ईथा?



अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की आगामी फिल्म 'ईथा' की रिलीज तारीख आखिरकार तय हो गई है। यह फिल्म 4 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई। फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ने किया है। निर्माताओं की ओर से फिल्म का पूर्वावलोकन इसी सप्ताह जारी किए जाने की जानकारी सामने आई है। जून में जारी फिल्म की पहली झलक को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी, जिसके बाद से ही इसके प्रदर्शन को लेकर उत्सुकता बनी हुई है।

पहले 'ईथा' को अगस्त 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना थी, लेकिन बाद में इसकी तारीख आगे बढ़ा दी गई। इसके बावजूद फिल्म को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी कम नहीं हुई है। अब दिसंबर में इसके प्रदर्शन की नई तारीख तय होने से प्रशंसकों का इंतजार एक बार फिर चर्चा में आ गया है।

'ईथा' को श्रद्धा कपूर के करियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक माना जा रहा है। फिल्म के कथानक और उनके किरदार को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता है। हालांकि, फिल्म की कहानी और अन्य प्रमुख विवरणों को लेकर अभी अधिक जानकारी सामने नहीं आई है।

लक्ष्मण उतेकर अपने निर्देशन के लिए जाने जाते हैं और इस फिल्म से भी दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं। जून में जारी पहली झलक ने फिल्म के प्रति आकर्षण बढ़ाया था। अब इसी सप्ताह पूर्वावलोकन जारी होने की खबर से दर्शकों को फिल्म की कहानी, पात्रों और प्रस्तुति के बारे में अधिक जानकारी मिलने की उम्मीद है।

'ईथा' की नई रिलीज तारीख के साथ फिल्म उद्योग में इसके प्रदर्शन को लेकर चर्चा तेज हो गई है। श्रद्धा कपूर की लोकप्रियता और फिल्म के प्रति शुरुआती उत्सुकता को देखते हुए इसे दिसंबर 2026 की चर्चित फिल्मों में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

अब दर्शकों की नजर फिल्म के पूर्वावलोकन और निर्माताओं की ओर से जारी होने वाली अन्य जानकारियों पर है। फिल्म को दर्शकों से कैसी प्रतिक्रिया मिलती है, यह इसके प्रदर्शन के बाद ही स्पष्ट होगा।

साई पल्लवी ने क्यों एमबीबीएस छोड़कर चुना अभिनय?



नितेश तिवारी की फिल्म रामायण 5 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में रणबीर कपूर और साई पल्लवी भगवान राम और मां सीता की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के प्रमोशन के लिए दोनों जल्द ही अमिताभ बच्चन के शो कौन बनेगा करोड़पति 18 में नजर आएंगे। शो के निर्माताओं ने इसका प्रोमो भी साझा किया है, जिसमें दोनों सितारे अमिताभ के साथ मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं।

अमिताभ ने शो में साई से पूछा, आपने डॉक्टर बनने की पढ़ाई की थी, फिर आप यहां कैसे आ गईं?

इसके जवाब में साई ने कहा कि शायद उनकी किस्मत में ही अभिनेत्री बनना लिखा था। उन्होंने कहा, भगवान ने ऐसा ही लिखा था। मेरी किस्मत में अभिनय करना ही लिखा था।

जब दर्शकों ने साई के लिए तालियां बजाईं, तो रणबीर ने बात में जुड़ते हुए कहा, सर, यह भगवान का प्रिस्क्रिप्शन था कि उन्हें अभिनय करनी है।

इस प्रोमो को देखकर दर्शक इस एपिसोड को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रामायण के कलाकारों वाला विशेष एपिसोड 29 और 30 अक्टूबर को प्रसारित होने वाला है। रामायण को 2026 की सबसे बड़ी बॉक्स ऑफिस फिल्म के रूप में प्रमोट किया जा रहा है। रणबीर और साई के साथ-साथ यश, सनी देओल, रवि दुबे, रकुल प्रीत सिंह, अरुण गोविल, लारा दत्ता और कई अन्य कलाकार भी नजर आएंगे।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर: आफ्टर डार्क का ऐलान

फिल्म निर्माता करण जौहर की चर्चित फिल्म श्रृंखला 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' के तीसरे भाग की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। हालांकि, इस बार दर्शकों को एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। धर्मा प्रोडक्शंस इस बार फिल्म के बजाय वेब श्रृंखला के रूप में इसकी तीसरी कड़ी लेकर आ रहा है। 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर: आफ्टर डार्क' नाम की इस श्रृंखला में अभिनेत्री शनाया कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

निर्माताओं ने श्रृंखला का प्रोमो जारी कर इसकी कहानी की झलक दिखाई है। प्रोमो से संकेत मिलता है कि इस बार सेंट टेरेसा स्कूल की दुनिया पहले की तरह केवल रोमांस और युवा प्रेम कहानियों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसमें रहस्य, भय और रोमांच का गहरा पुट देखने को मिलेगा। शनाया कपूर की झलक के साथ सामने आया प्रोमो इस लोकप्रिय श्रृंखला के बदले हुए अंदाज और गंभीर कहानी की ओर इशारा करता है।

कातिल नहीं...आशिक हूं, किंग के नए पोस्टर में दिखा शाहरुख खान का किलर-रोमांटिक लुक

शाहरुख खान अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म किंग को लेकर बहुत एक्साइटेड नजर आ रहे हैं. इसलिए किंग खान अपनी फिल्म से बार-बार अपनी तस्वीरें शेयर कर रहे हैं और दर्शकों को याद दिला रहे हैं कि यह फिल्म कब रिलीज होगी. इस कड़ी में शाहरुख खान ने अपने फैंस को एक बार फिर फिल्म से अपडेट किया है. शाहरुख ने फिल्म किंग से अपना नया और किलर लुक धांसू पोस्टर शेयर किया है. सबसे अहम बात यह है कि किंग के पोस्टर से ज्यादा इस पोस्ट के कैप्शन पर लोगों का ज्यादा ध्यान जाने वाला है. चलिए जानते हैं आखिर क्या है इस पोस्ट के कैप्शन में. शाहरुख खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर किंग से नया पोस्टर शेयर कर अपने फैंस को सुबह-सुबह खुश कर दिया है. किंग का नया पोस्टर शेयर कर शाहरुख इसके कैप्शन में लिखते है, आज फिर याद आया, कातिल नहीं... आशिक हूं. शाहरुख खान का यह कैप्शन एक्टर की फिल्म बादशाह के टाइटल सॉन्ग बादशाह की याद दिलाता है, जिसकी शुरुआत इन्हीं लफ्जों से होती है.

बच्चों के सपने, उनकी प्रतिभा और नई सोच विकसित उत्तराखण्ड के निर्माण में निभाएगी महत्वपूर्ण भूमिका : मुख्यमंत्री

देहरादून,05 नवम्बर (नि०स०)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास से 'दिल की बात, अंकल धामी के साथ' कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश के लगभग 8 लाख स्कूली बच्चों को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने बच्चों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भैया दूज की शुभकामनाएं देते हुए त्योहारों के सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व, स्वच्छता, सुरक्षा, पढ़ाई तथा भविष्य के लक्ष्यों को लेकर प्रेरक संदेश दिया।



मुख्यमंत्री ने कहा कि 'दिल की बात, अंकल धामी के साथ' कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश के बच्चों के साथ निरंतर जुड़ाव बनाए रखना, उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें शिक्षा, संस्कृति, नैतिक मूल्यों और जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों से लेकर प्रदेश के विभिन्न शहरों और गांवों में अध्ययनरत लाखों बच्चे एक साथ इस कार्यक्रम से जुड़े हैं। मुख्यमंत्री ने बच्चों को आत्मीयता से संबोधित करते हुए उनके परिवार के सदस्यों का हालचाल पूछा और दीपावली की तैयारियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि हमारे त्योहार केवल उत्सव मनाने के अवसर नहीं हैं, बल्कि परिवार और समाज को जोड़ने तथा अपनी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का माध्यम भी हैं। धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भैया दूज जैसे पर्व हमें आपसी प्रेम, सहयोग और पारिवारिक संबंधों के महत्व का संदेश देते हैं। मुख्यमंत्री ने बच्चों से दीपावली पर स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने और घर की साफ-सफाई में परिवार का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए स्वच्छ भारत अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वच्छता को दैनिक जीवन की आदत बनाना आवश्यक है। हम सभी की छोटी-छोटी कोशिशें मिलकर अपने प्रदेश और देश को स्वच्छ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। मुख्यमंत्री ने बच्चों को दीपावली पर मिट्टी के दीये जलाने तथा स्थानीय कुम्हारों और कारीगरों द्वारा निर्मित उत्पादों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' के आह्वान को आगे बढ़ाते हुए हमें स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए। इससे स्थानीय कारीगरों की आजीविका को प्रोत्साहन मिलने के साथ उनके परिवारों की खुशियों में भी भागीदारी सुनिश्चित होगी।

मुख्यमंत्री ने त्योहारों के दौरान सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने की अपील करते हुए बच्चों से पटाखों से दूर रहने तथा दीये एवं फुलझड़ियां जलाते समय बड़ों की देखरेख में रहने को कहा। उन्होंने कहा कि त्योहारों का वास्तविक आनंद तभी है, जब हम स्वयं सुरक्षित रहें और दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों की अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं की भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बच्चों को पढ़ाई के साथ खेलकूद, रचनात्मक गतिविधियों और नई चीजें सीखने में भी रुचि लेनी चाहिए। जीवन में आगे बढ़ने के लिए मेहनत, अनुशासन और निरंतर सीखने की भावना आवश्यक है।मुख्यमंत्री ने कहा कि 'दिल की बात, अंकल धामी के साथ' कार्यक्रम को भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एवं डिजिटल तकनीक के माध्यम से और उपयोगी बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे पहले भी ढ़ाई लाख से अधिक विद्यार्थियों ने निबंध के माध्यम से आयोजित संवाद कार्यक्रम में उत्तराखण्ड के विकास को लेकर अपने विचार और सुझाव साझा किए थे। उन्होंने कहा कि बच्चों के विचारों और सुझावों का विशेष महत्व है। उनसे प्राप्त उपयोगी सुझावों पर भविष्य की योजनाओं और नीतियों के निर्माण में भी विचार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बच्चों को 'विकल्प रहित संकल्प' का अर्थ समझाते हुए कहा कि इसका आशय अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरी मेहनत, लगन और दृढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ना है। उन्होंने बच्चों से कहा कि जीवन में जो भी लक्ष्य निर्धारित करें, उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहें और चुनौतियों से घबराए बिना आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे खूब पढ़ें, खूब खेलें, नई चीजें सीखें और अपनी प्रतिभा से माता-पिता, प्रदेश तथा देश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि बच्चों की प्रतिभा, परिश्रम और रचनात्मक सोच विकसित उत्तराखण्ड एवं विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

हर्बल कुंभ से जड़ी-बूटी आधारित खेती को मिलेगा बढ़ावा, किसानों की आर्थिकी होगी मजबूत: मंत्री गणेश जोशी

पौड़ी, 05 नवम्बर(नि०स०)। प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने आज जनपद पौड़ी गढ़वाल के यमकेश्वर विधानसभा क्षेत्र के माला गांव में पतंजलि ट्रस्ट द्वारा आयोजित हर्बल कुंभ, जड़ी-बूटी कृषि मेला एवं श्री धन्वंतरि महोत्सव में प्रतिभाग किया। इस दौरान कृषि मंत्री गणेश जोशी ने हर्बल कुंभ में लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन भी किया।

इस अवसर पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि उत्तराखंड आयुर्वेद और औषधीय वनस्पतियों की धरती है। हमारे ऋषि-मुनियों ने सदियों से आयुर्वेद और जड़ी-बूटियों के माध्यम से मानव स्वास्थ्य एवं जीवन को स्वस्थ रखने का मार्ग दिखाया है। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के कठिन दौर में भी आयुर्वेद ने देशवासियों को स्वस्थ और सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



कृषि मंत्री ने पतंजलि ट्रस्ट द्वारा जड़ी-बूटी आधारित कृषि, आयुर्वेद एवं किसानों की आजीविका संवर्धन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन किसानों को नई संभावनाओं और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जड़ी-बूटी उत्पादन को बढ़ावा मिलने से किसानों की आय में वृद्धि होगी, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे और पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन रोकने में भी मदद मिलेगी। इससे प्रदेश की आर्थिकी को भी मजबूती मिलेगी।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषि एवं उद्यानिकी के क्षेत्र में किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक उत्तराखंड कृषि एवं उद्यानिकी के क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश और कश्मीर की बराबरी करे। इसके लिए आधुनिक तकनीक, नवाचार और पारंपरिक कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस दौरान कैबिनेट मंत्री भरत चौधरी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री भरत चौधरी, बद्री-केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी, आचार्य बालकृष्ण सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

त्योहारी सीजन में भाजपा की रैली पर कांग्रेस का तीखा हमला

देहरादून,05 नवम्बर (नि०स०)। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस ने राजधानी देहरादून में होने जा रही भारतीय जनता पार्टी की 'लोकतंत्र बचाओ अराजकता भगाओ' रैली पर तीखा प्रहार किया है। कांग्रेस ने त्योहारों के इस संवेदनशील समय में राजनीतिक रैलियों के आयोजन को लेकर कड़ा ऐतराज जताया है। पार्टी ने केंद्र और राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि धनतेरस और दीपावली जैसे बड़े त्योहारों के दौरान इस तरह के आयोजनों से आम जनता और कारोबारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

कांग्रेस पार्टी के कैंप कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने भाजपा के इस कदम को जनविरोधी करार दिया। उन्होंने कहा कि एक तरफ जहां आम नागरिक और व्यापारी धनतेरस, दीपावली और भैयादूज जैसे पावन पर्वों पर खरीदारी की उम्मीद लगाए बैठे हैं, वहीं दूसरी तरफ राजनीतिक दल रैलियां कर यातायात व्यवस्था और बाजारों की रौनक को बाधित कर रहे हैं। धस्माना ने सवाल उठाया कि क्या ऐसे मुख्य त्योहारी सीजन में राजनीतिक रैलियां करके व्यापारियों और आम जनता को परेशान करना उचित है। कांग्रेस नेता ने भाजपा के राष्ट्रीय और राज्य नेतृत्व को आड़े हाथों लेते हुए तीखे सवाल पूछे। उन्होंने कहा कि पिछले बारह वर्षों से केंद्र और दस वर्षों से राज्य में सत्ता में काबिज पार्टी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर देश के लोकतंत्र को किससे खतरा है। धस्माना ने आरोप लगाया कि आज भारतीय लोकतंत्र को सबसे बड़ा खतरा आरएसएस और भाजपा से है। उन्होंने संविधान के प्रावधानों और मतदान के अधिकारों का हवाला देते हुए सत्ता पक्ष पर गंभीर राजनीतिक आरोप लगाए और कहा कि आज अराजकता का माहौल पैदा किया जा रहा है।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद राजधानी देहरादून में प्रशासनिक व्यवस्था और सुरक्षा बलों के सामने यातायात प्रबंधन को लेकर बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। त्योहारी सीजन की भारी भीड़ के बीच इस तरह के बड़े राजनीतिक आयोजनों से आम जनता में भी असंतोष देखा जा रहा है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस विभाग के अधिकारी कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही ट्रैफिक डायवर्जन की तैयारियों में जुटे हैं, ताकि पर्व के दौरान बाजारों में आने वाले खरीदारों को कम से कम असुविधा का सामना करना पड़े।



धामी सरकार में पर्यटन सुविधाओं को विस्तार, चमोली के वाण में 1.36 करोड़ से बनेगी आधुनिक सतही पार्किंग



देहरादून,05 नवम्बर (नि०स०)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा-निर्देशों में प्रदेश के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं के विस्तार की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में चमोली जनपद के प्रसिद्ध ग्राम वाण में पर्यटकों और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक सतही पार्किंग (सरफेस पार्किंग) विकसित करने की योजना तैयार की गई है। आवास विभाग के अंतर्गत प्रस्तावित इस परियोजना पर लगभग 1 करोड़ 36 लाख 36 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे। आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार के अनुसार, परियोजना के तहत लगभग 2,300 वर्गमीटर क्षेत्रफल में पार्किंग का निर्माण प्रस्तावित है, जिसमें एक साथ करीब 84 वाहनों को खड़ा करने की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके साथ ही पर्यटकों एवं स्थानीय लोगों की सुविधा के लिए शौचालय ब्लॉक और पार्किंग की सुरक्षा एवं देखरेख के लिए गार्ड रूम का भी निर्माण किया जाएगा।

समुद्र तल से 2,400 मीटर की ऊंचाई पर विकसित होंगी सुविधाएं

चमोली जिले का ग्राम वाण समुद्र तल से लगभग 2,400 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यहां निर्माणाधीन हेलीपैड के समीप पार्किंग विकसित करने की योजना है। प्रस्तावित पार्किंग लगभग 2,300 वर्गमीटर क्षेत्र में बनाई जाएगी। इसकी अनुमानित लागत 136.36 लाख रुपये निर्धारित की गई है। परियोजना के माध्यम से क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों, ट्रेकर्स और श्रद्धालुओं को अपने वाहनों को व्यवस्थित रूप से खड़ा करने की सुविधा मिलेगी। अभी तक सीमित पार्किंग व्यवस्था के चलते पर्यटन सीजन और धार्मिक आयोजनों के दौरान वाहनों के दबाव की स्थिति उत्पन्न होती है। ऐसे में नई पार्किंग से यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने में भी मदद मिलेगी।

नंदा राजजात यात्रा का प्रमुख पड़ाव है वाण

ग्राम वाण धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन की दृष्टि से उत्तराखंड का महत्वपूर्ण स्थल है। यह मोटर मार्ग का अंतिम पड़ाव होने के साथ विश्वप्रसिद्ध नंदा राजजात यात्रा का प्रमुख पड़ाव और यात्रा का महत्वपूर्ण आधार स्थल भी है।

सम्पादन मण्डल

समाचार सम्पादक: **डॉ. वी.डी. शर्मा**
संवाददाता: **रजत शर्मा**
संरक्षक सलाहकार: **डा. अश्विनी काम्बोज**
कानूनी सलाहकार: **यशस्वी शर्मा (एड.)**
अश्वनी मुद्गल (एड.)

देवपथ

हिन्दी सांध्य संस्करण

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक श्रीमती सुषमा शर्मा के लिए अभिप्रेरणा प्रिंटर्स, बंजारावाला (कारगी), देहरादून (उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं बंजारावाला (कारगी), देहरादून (उत्तराखण्ड) प्रकाशित।

सम्पादक : **रामेश्वर दत्त शर्मा**

नोट:- मुद्रित सामग्री के लिए प्रेस उत्तरदायी नहीं है। वाद-विवाद का क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा।

मोबाईल: 9358129177, 9557316580